हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 2 मार्च 2025

10 श्रीराम सेवा समिति खैराती रोड पर बना रही अस्पताल...

10 गर्भावस्था के दौरान संतुलित एवं पोषक आहार जरूरी : सुमन

खबर संक्षेप

तेजगति गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार की मौत

फतेहाबाद। नेशनल हाइवे पर गांव धांगड़ के पास एक तेजगति गाड़ी ने मोटरसाइकिल में टक्कर दे मारी। इस हादसे में बाईक सवार युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शनिवार को मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। इस मामले में शहर फतेहाबाद पुलिस ने गाड़ी के अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

कार सवार से 12 बोर की अवैध दोनाली बरामद

कालांवाली। कालांवाली पुलिस ने शस्त्र अधिनियम के तहत गांव खोखर निवासी पिता-पुत्र के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अपराध शाखा कालांवाली की टीम ने गश्त के दौरान गांव खोखर में एक कार चालक की गतिविधियां संदिग्ध पाए जाने पर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान एक 12 बोर की दोनाली और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ करने पर कार चालक दोनाली के कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सका। पूछताछ में आरोपी की पहचान जसवंत पुत्र जलविंद्र सिंह निवासी खोखर के रूप में की गई।

प्राचीन श्री शनि धाम में अमावस्या पर्व 29 को

सिरसा। नोहरिया बाजार स्थित प्राचीन श्री शनि धाम में शनिवारी अमावस्या 29 मार्च यानि शनैश्चरी अमावस्या के अवसर पर शनैश्चरी अमावस्या पर्व का आयोजन किया जाएगा। शनैश्चरी अमावस्या पर्व की तैयारियों को लेकर श्री शनिदेव मंदिर चेरिटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारियों के द्वारा बैठक की गई। जिसमें निर्णय लिया गया कि शनैश्चरी अमावस्या 29 मार्च को है इस उपलक्ष्य में शनिधाम में शनिदेव जी की पूजा, हवन यज्ञ, भंडारा, तेल अभिषेक व संकीर्तन कार्यक्रम आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए ट्रस्ट पदाधिकारी आनंद भार्गव, चंद्रमोहन भृगुवंशी ने बताया कि शनिवार के दिन अमावस्या होने पर शनैश्चरी अमावस्या होती है।

लिफ्ट देने के बहाने महिला से तबीजी छीनी

सिरसा। चोपटा पुलिस ने गांव कुतियाना निवासी लीलूराम पुत्र चंदगीराम की शिकायत पर अज्ञात बाइक सवार दो लोगों के खिलाफ छीनाझपटी का मामला दर्ज किया है। अपनी शिकायत में लीलूराम ने बताया कि उसकी बुआ कलावती दोपहर करीब 3 बजे कुतियाना बस अड्डा से हमारी ढाणी जोड़किया रोड की ओर पैदल आ रही थी। जब उसकी बुआ जलघर के निकट पहुंची, तभी बाइक पर दो लोग और उन्होंने चंदगीराम सेसमा की ढाणी की ओर जाने की बात कहकर उसकी बुआ को बाइक पर बैठा लिया। जब वे कुछ दूर पहुंचे तो सुनसान जगह पर उन्होंने बाइक रोक कर उसकी बुआ के गले में पहनी सोने की ताबिजी छीन ली।

पोलिंग पार्टियां बूथों के लिए रवाना, एक हजार पुलिस कर्मचारी संभालेंगे मोर्चा

नगर परिषद चुनाव : 143 केंद्रों पर 1 लाख 60 हजार मतदाना आज डालेंगे वोट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

दो मार्च को होने वाले नगर परिषद चुनाव को लेकर पोलिंग पार्टियों को चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय के मल्टीपर्पज हाल से पोलिंग बूथों के लिए रवाना कर दिया गया है। जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के दृष्टिगत सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। शांतिपूर्वक चुनाव संपन्न करवाने के लिए करीब एक हजार पुलिस कर्मचारियों को तैनात किया गया है। डीसी शांतनु शर्मा ने बताया कि 2 मार्च को सुबह 8 बजे से मतदान प्रक्रिया शुरू होगी और देर शाम 6 बजे तक जारी रहेगी और मतगणना 12 मार्च को होगी। वही मतदाताओं की सुविधा के लिए सिरसा में 143 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। शहर के 32 वार्ड में कुल 160000 मतदाता हैं जो कि चुनाव में मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इस बार प्रधान पद के लिए सीधे वोट डाले जा रहे हैं।

चेयरमैन पद के उम्मीदवारों की प्रतिष्ठा दांव पर

सिरसा नगर परिषद की चेयरमैनी के चुनाव में हलोपा-बीजेपी मिलकर चुनाव लड़ रही है। जबकि कांग्रेस, इनेलो, जेजेपी ने भी अपने उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारे हैं। इसके अलावा आजाद प्रत्याशी भी चुनाव मैदान में है। भाजपा-हलोपा ने शांति स्वरुप को मैदान में उतारा है, जबकि कांग्रेस की ओर से जसविंद्र कौर प्रत्याशी हैं। इसके अलवा इनेलो ने ओमप्रकाश मेघवाल, जेजेपी से लक्की चौधरी पर दांव लगाया है। तीन बार पार्षद रहे राजेंद्र कुमार उर्फ राजू भी चुनावी मैदान में हैं।

हथियारों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध

सिरसा। नगर परिषद सिरसा के 2 मार्च को होने वाले आम चुनाव में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के मद्देनजर जिलाधीश शांतनु शर्मा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी कर हथियारों और विस्फोटक पदार्थों के इस्तेमाल पर रोक लगाई है। यह आदेश सिरसा नगर परिषद के शहरी क्षेत्र में चुनाव प्रक्रिया समाप्त होने तक लागू रहेगा। जारी आदेश अनुसार किसी भी व्यक्ति को आग्नेयास्त्र, तलवार, लाठी, डंडा, फरसा, कुल्हाड़ी, भाला, हॉकी स्टिक, चेन, पत्थर आदि हथियारों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा, सार्वजनिक स्थानों पर ज्वलनशील, विस्फोटक सामग्री के उपयोग पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। यह आदेश पुलिस बल और ड्यूटी पर तैनात अन्य सरकारी कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा। साथ ही, दिव्यांगजन जो लाठी का उपयोग करते हैं और सिख धर्म के अनुयायियों को धार्मिक परंपरा अनुसार निर्धारित कृपाण रखने की छूट रहेगी।

सिरसा। बूथों के लिए रवाना होती पोलिंग पार्टियां। फोटो :हरिभूमि

शराब की बिक्री पर रहेगा प्रतिबंध

चुनाव के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने शराब की बिक्री पर रोक लगाने का आदेश दिया है। जारी आदेश के अनुसार, चुनाव वाले क्षेत्रों में होटल, रेस्टोरेंट, क्लब, शराब की दुकानें और अन्य स्थानों पर शराब बेचने या परोसने पर रोक होगी। आदेश जारी होने के साथ सिरसा नगर परिषद क्षेत्र में 2 मार्च को मतदान समाप्त होने तक तथा 12 मार्च को मतगणना के दिन मतगणना समाप्त होने तक शराब बेचने और परोसने की अनुमति नहीं होगी। आदेशों की अवहेलना करने वाले के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

जाखल नगर पालिका चुनाव आज 9,424 मतदाता चुनेंगे प्रधान

- मतदान के लिए पोलिंग पार्टियां हुई रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिले की जाखल नगरपालिका के प्रधान व पार्षद पदों को लेकर रविवार को मतदान होगा। इसके लिए प्रशासन ने जहां सभी तैयारियां पूरी कर ली है वहीं चुनाव लड़ रहे उम्मीदवार भी अंतिम दिन मतदाताओं को रिझाने में लगे रहे। जाखल नगरपालिका के प्रधान पद के लिए भाजपा उम्मीदवार सुरेन्द्र मित्तल व आजाद उम्मीदवार कामरा के बीच सीधी टक्कर है। शुक्रवार को चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सीएम नायब सिंह सैनी ने यहां जनसभा को संबोधित किया था। रविवार 2 मार्च को नगरपालिका अध्यक्ष व पार्षदों के चुनाव के लिए 14 बूथों पर प्रातः 8 बजे मतदान प्रक्रिया शुरू हो जाएगी, जोकि सायं 6 बजे तक चलेगी। मतदान से पूर्व मॉक पोल होगा, जोकि संबंधित प्रत्याशियों के एजेंट की उपस्थिति में होगा। मॉक पोल के बाद एजेंटों के हस्ताक्षर उपरांत ही मतदान प्रक्रिया शुरू की जाएगी। रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम प्रतीक हुड्डा ने कहा कि नगरपालिका आम चुनावों को शांतिपूर्वक व पारदर्शी तरीके से करवाने के लिए पोलिंग पार्टियां आपसी समन्वय स्थापित करते हुए मतदान प्रक्रिया सम्पन्न कराएं। शनिवार को राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लडक्के में पोलिंग पार्टियों को जरूरी दिशा निर्देश देते हुए चुनाव सामग्री वितरण किया।

फतेहाबाद। जाखल नगरपालिका चुनावों को लेकर रवाना होती पोलिंग पार्टियां।

14 वार्डों में 33 उम्मीदवार चुनाव मैदान में

बता दें कि जाखल नगर पालिका में अध्यक्ष पद के लिए तीन उम्मीदवार मैदान में हैं। इसके अलावा 14 वार्डों में से 33 उम्मीदवार पार्षद पद को लेकर मैदान में हैं। चुनाव प्रचार के लिए प्रत्याशियों को वाहनों व लाउडस्पीकर के लिए दी गई अनुमति शुक्रवार शाम को समाप्त हो गई। 2 मार्च यानि रविवार को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। जिसे लेकर प्रशासन ने आवश्यक प्रबंध पूरे कर लिए हैं। जाखल में 9,424 मतदाता अपना प्रधान चुनेंगे। शहर में 11 वार्ड ऐसे हैं जिनमें सिर्फ दो ही प्रत्याशी हैं। इसके अलावा वार्ड 10 और 12 में सबसे ज्यादा 4-4 प्रत्याशी पार्षद पद के हैं। वहीं वार्ड 8 में तीन प्रत्याशियों के बीच पार्षद पद के लिए टक्कर है।

सीवरेज समस्या से परेशान लोगों ने जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

शहर के टोहाना रोड से बुढलाड़ा बाईपास को जोडऩे वाली गली में रोजाना सीवरेज ओवरफ्लो होने से वार्ड के लोग बदल जिंदगी जीने को मजबूर हैं। सीवरेज ओवरफ्लो होने से सारा दिन गलियों में सीवरेज का पानी खड़ा रहता है और घरों में भी घुस जाता है जिसे वार्ड वासियों का जीना मुश्किल हो गया है। इस समस्या से खफा वार्ड के लोग शनिवार को लामबंद हुए और जन स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ रोष जताते हुए आरोप लगाए कि बार-बार सूचना देने के बावजूद भी इस सीवरेज की समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है। लोगों ने कहा कि सफाई होने के बावजूद भी सीवरेज बार-बार ओवरफ्लो होता रहता है और गलियों में पानी खड़ा रहता है। वार्ड के लोगों का कहना है कि बार-बार जन स्वास्थ्य विभाग के व अन्य अधिकारियों के चक्कर लगाने के बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा।

रतिया। सीवरेज समस्या से परेशान लोग नारेबाजी करते हुए।

महिला कॉलेज में पूनम ने सजाई सबसे सुंदर मेहंदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

शहीद दविन्द्र सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ द्वारा प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया गया। निबंध लेखन, मेहंदी रचाओ और नेल आर्ट प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रो रीतु के संयोजन और प्राचार्य परमजीत संधा की अध्यक्षता में करवाया गया। प्रो. रीतु ने बताया कि छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए महिला प्रकोष्ठ द्वारा समय समय पर व्याख्यान, प्रतियोगिता एवं विभिन्न गतिविधियां महाविद्यालय में करवाई जाती रहती है। जन सम्पर्क अधिकारी प्रो. सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि प्रो. सैन कुमार, डॉ. सज्जन, प्रो. सर्बजीत कौर, मुक्ता शर्मा ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान एकता रानी बीए द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान पूनम एमए हिन्दी प्रथम वर्ष व तृतीय स्थान ममता रानी बीए अंतिम वर्ष, मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पूनम बीए अंतिम वर्ष, द्वितीय स्थान लवप्रीत कौर बीए द्वितीय वर्ष व तृतीय स्थान अंजली बी कॉम द्वितीय वर्ष ने प्राप्त किया। नेल आर्ट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आरती एमए हिन्दी अंतिम वर्ष, द्वितीय स्थान रुचिका बी कॉम द्वितीय वर्ष व तृतीय स्थान मोनिका बीए अंतिम वर्ष ने प्राप्त किया। सभी विजेता प्रतिभागीयों को प्रमाण-पत्र और नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

सोलर पैनल प्लेट चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

सिरसा। एंटी व्हीकल थेप्ट स्टाफ की पुलिस टीम ने जांच के दौरान गांव जोधपुरिया व आसपास क्षेत्र के खेतों से ट्यूबवेल चलाने वाला कंट्रोलर व सोलर पैनल प्लेट चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन वारदातों का खुलासा कर तीन युवकों को काबू किया है। एंटी व्हीकल थेप्ट स्टाफ पुलिस टीम के प्रभारी संदीप कुमार ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी पुत्र प्रकाश सिंह निवासी सालमखेड़ा हाल जोधपुरियां, संदीप कुमार पुत्र रामचंद्र व विकास कुमार उर्फ विक्की पुत्र रामनिवास निवासी जोधपुरिया के रुप में हुई है। उन्होंने बताया कि गांव जोधपुरिया निवासी संजय कुमार पुत्र श्री काशी राम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि बीती 6 जून 2023 को रात्रि के समय कोई अज्ञात युवक उसके खेत से सोलर पैनल की प्लेटे चोरी करके ले गया था। सेल प्रभारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर रानियां थाना में अज्ञात युवकों के खिलाफ खेतों से सोलर प्लेट चोरी करने का अभियोग दर्ज कर जांच शुरु की गई। गिरफ्तार किए गए आरोपियों ने पूछताछ के दौरान तीन वारदातें करना कबूल की है । सेल प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की निशानदेही पर तीनों वारदातों में चोरीशुदा सोलर पैनल प्लेट व कंट्रोलर बरामद कर लिया है।

शहीदों की याद में लगाया सिखलाई शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कालांवाली

उपमंडल कालांवाली के गांव लक्कड़ावाली स्थित गुरुद्वारा साहिब में साका ननकाना साहिब के शहीदों की याद में दस्तार सिखलाई शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य एडवोकेट बिंदर सिंह खालसा और एडवोकेट गुरमीत सिंह ने विशेष तौर पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने युवाओं को पगड़ी के महत्व और सिख इतिहास के बारे में जानकारी देते हुए पगड़ी बांधने का प्रशिक्षण दिया और उन्हें सिखी अपनाकर सिख धर्म के बताए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। गुरुद्वारा साहिब के मुख्य सेवादार बाबा सुखपाल सिंह ने बताया कि हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य एडवोकेट बिंदर सिंह खालसा व एडवोकेट गुरमीत सिंह खालसा के द्वारा सिख धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए देशभर में पगड़ी बांधने के प्रशिक्षण शिविर लगाए जाते है। इसी कड़ी में गुरूद्वारा साहिब में भी युवाओं को पगड़ी बांधने का प्रशिक्षण देने के लिए हर शाम कक्षाएं आयोजित की जा रही है।

सिरसा। शिविर में पगड़ी बांधने का प्रशिक्षण देते बिंदर सिंह व एडवोकेट गुरमीत सिंह।

ग्राम प्रहरी मौजिज लोगों से संपर्क कर नशा बेचने वालों पर करें कार्रवाई: एसपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डबवाली

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने जिला डबवाली के सभी ग्राम प्रहरियों को उन्हें गांव के सरपंच, नंबरदार, चौकीदार, पंचों, पार्षदों और अन्य प्रमुख लोगों से संपर्क करने के निर्देश दिए हैं, ताकि अपराधी प्रवृत्ति के लोगों का पता लगा कर कठोरता से कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि गांव के सभी प्रमुख लोगों से संपर्क कर आसपास के क्षेत्र के अपराधी लोगों का डाटा तैयार करें ताकि उन पर कड़ी कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि अपराध एवं अपराधियों तथा गैर कानूनी धंधा करने वालों पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाने के लिए प्रत्येक जिला में पुलिस के जवानों को ग्राम/वार्ड प्रहरी के तौर पर नियुक्त किया गया है। सभी पुलिस जवान इस कसौटी पर खरा उतरे। इस दौरान उन्होंने जिले के प्रत्येक गांव व वार्ड को सुरक्षित और अपराधमुक्त बनाने के लिए ग्राम प्रहरियों को संबंधित गांव के सरपंच, नंबरदार, चौकीदार, पंचों, पार्षदों और अन्य प्रमुख लोगों से संपर्क करने के निर्देश दिए, ताकि अपराधी प्रवृत्ति के लोगों का पता लगा कर कठोरता से कार्रवाई की जा सके। गुंडागर्दी करने वालों के पर नजर रखें व उनके खिलाफ उचित कार्रवाई करने के लिए संबंधित अधिकारियों को सूचित करें। ग्राम प्रहरियों द्वारा प्राप्त की जाने वाली सभी प्रकार की जानकारी ग्राम प्रहरी ऐप पर अपलोड करें, ताकि अपराधियों पर शीघ्र उचित कार्रवाई की जा सके।

कर्मचारियों की अधिकारी के साथ हुई बैठक, कई मांगों पर बनी सहमति

कालांवाली। हरियाणा पब्लिक हेल्थ कर्मचारी संघ संबंधित भारतीय मजदूर संघ शाखा सिरसा के जिला कार्यकारिणी पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक कर्मचारियों की मांगों को पूरा करवाने के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के मंडल डबवाली के कार्यकारी अभियंता विजय कुमार के साथ हुई। बैठक का संचालन हरियाणा पब्लिक हेल्थ कर्मचारी संघ के राज्य मंत्री संदीप पन्नू ने किया। जिसमें कौशल कर्मचारियों के अनुभव, लेबर वेलफेयर योजना की कार्यवाही पर सहमति, जॉब सिक्योरिटी एक्ट, मेपब कार्ड आदि मांगों पर विचार विमर्श किया। साथ में कार्यकारी अभियंता से मांगो को पूरा करवाने की सहमति बनी। मीटिंग में हांसी शाखा प्रधान कमल सैनी, शाखा सचिव मोहन शर्मा ने भी कर्मचारियों की मांगों को जोर शोर से उठाया। इस मीटिंग में जिला सिरसा कार्यकारिणी से सचिव अजय शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य इकबाल, अमरजीत सिंह, रविंद्र, तार सिंह, सुखमिंदर सिंह उपस्थित रहे।

कार्यक्रम बाबा राणाधीर महाराज के मंदिर में अर्धवार्षिक मेला आयोजित, श्रद्धालुओं ने माथा टेक कर मांगी मन्नतें

गद्दीनशीन मंहत बाबा ब्रह्म दास जी ने श्रद्धालुओं को दिया आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

बाबा राणाधीर महाराज के मंदिर में शनिवार को आयोजित अर्धवार्षिक विशाल मेले में हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा की समाधि के सामने माथा टेक कर मन्नतें मांगी और मेले का लुत्फ उठाया। मेले में शनिवार की सुबह से ही हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, यूपी व दिल्ली से श्रद्धालुओं हुजूम उमडऩा शुरू हो गया था। मंदिर में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं ने बाबा की समाधि पर चावल व लड्डूओं की सवामणि, झाड़ू, तेल, नमक व प्रसाद चढ़ाकर व दीपक जलाकर मनोकामना के लिए प्रार्थना की। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन व कमेटी ने व्यापक स्तर पर पुख्ता प्रबंध किए हुए थे। मेले में महिला श्रद्धालुओं व बच्चों ने झूलों का जमकर आनंद उठाया और मेले में लगी लगभग 900 से अधिक स्टालों से खूब खरीददारी की। डेरा बाबा भूमन शाह जी संगर साधा के गद्दीनशीन मंहत बाबा ब्रह्म दास महाराज ने मेले में पहुंचकर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। बाबा राणाधीर सेवा समिति के प्रधान ओम प्रकाश धारनियां व सचिव अनील सोनी ने बताया कि मेले में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा के मंदिर में हाजिरी लगवाकर अपनी गहरी आस्था व्यक्त की है। मेले में शांति व्यवस्था पूर्ण रूप से बनी रही और श्रद्धालुओं ने पूरी आस्था के साथ लंगर व प्रशाद भी ग्रहण किया। इस अवसर पर नगर पालिका के वाइस चेयरमैन नरेंद्र बागड़ी, मंदिर कमेटी सदस्य नंद लाल कंबोज,अनील कुमार,मास्टर मंगल सैन,मास्टर हरविंद्र बागड़ी, अलोक बंसल, अमित लीखा, राकेश मदान, विरेंद्र शर्मा, राजू गिरधर, जितेंद्र बंसल, विरेंद्र ठकराल, सुरेश कंबोज, सुमित बंसल, बलजीत सोनी, अनिल बंसल, सुंदर कंबोज, रमेश बंसल, आत्मा राम, नफे सिंह, देसराज खुराना आदि मौजूद रहे।

भूना। लाइटों से सजा बाबा राणाधीर महाराज मंदिर व मेले में सामान की खरीदारी करते श्रद्धालुगण।

ऐतिहासिक कुएं पर लगी रही भीड़

बाबा राणाधीर मंदिर के प्रांगण में स्थित प्राचीन एवं ऐतिहासिक कुएं पर श्रद्धालुओं द्वारा पानी का स्पर्श पाने के लिए विशेष भीड़ लगी रही। क्योंकि ऐसी मान्यता है कि उपरोक्त कुएं के पानी से पुराने से पुराने चर्म रोग खत्म हो जाते हैं। उसी को लेकर पानी प्राप्त करने के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। कमेटी व पुलिस कर्मचारियों को वहां व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा।

अक्टूबर 2024 से अब तक निफ्टी हर महीने गिरावट में बंद हुआ और 5 महीने में यह 12 प्रतिशत गिर चुका

बाजार गिरे तब क्या करना चाहिए?

शेयर बाजार में आज गिरावट दर्ज की गई है। लगातार बाजार को गिरता देख निवेशक परेशान हो रहे है ऐसे में आपको बताते है बाजार की गिरावट के टाइम आपको क्या करना चाहिए। शेयर बेच देना चाहिए या एसआईपी बंद कर देना चाहिए या बाजार में टिके रहना चाहिए?

मार्केट क्रैश
शंभू भद्र

बाजार जब गिरता है तो निवेशकों को कुछ समझ नहीं आता है कि शेयर बेच दे, एसआईपी बंद करें या बाजार में टिके रहें। अक्टूबर 2024 से निफ्टी हर महीने गिरावट में बंद हुआ है और ये 5 महीने में 12 प्रतिशत गिर चुका है। 1996 के बाद ऐसा पहली बार हुआ है कि बाजार में लगातार पांच महीने गिरावट आई है। इससे पहले साल 1996 में जुलाई से लेकर नवंबर महीने के बीच बाजार में लगातार 5 महीने गिरावट देखी गई थी। इन 5 महीनों के दौरान निफ्टी 50 इंडेक्स 26 प्रतिशत गिरा था। अमेरिका से लेकर यूरोप तक में की गई एकेडमिक स्टडीज से पता चलता है कि जब भी लोग बाजार में निवेश को लेकर घबराएं या चिंतित रहते हैं तब-तब बाजार ने एवरेज से ज्यादा रिटर्न दिया है। इसका मतलब है जब भी आप सोचते हैं कि शेयर बेच देना चाहिए, एसआईपी बंद कर देना चाहिए और बाजार से निकल जाना चाहिए उस समय ही बाजार में निवेश का सबसे बेहतर समय होता है। साल 2008 में 21 जनवरी को सेंसेक्स एक ही दिन में करीब 1400 अंक गिर गया था। वहीं 2008 के अंत तक सेंसेक्स 20,465 अंक से गिरकर 9716 अंक पर आ गया। वर्ष 2010 सितंबर में सेंसेक्स फिर से 20,000 अंक को पार कर गया। इसके बाद 2020 में कोरोना महामारी के कारण एक हफ्ते में सेंसेक्स 42,273 अंक से गिरकर 28,288 अंक पर आ गया था। 2020 अप्रैल से इसमें रिकवरी देखने को मिली और सेंसेक्स वर्ष के अंत तक 47,751 के स्तर पर पहुंच गया। मतलब, जब-जब बाजार में गिरावट आई है इसमें तेजी से रिकवरी भी दिखी गई है। ऐसे में जो निवेशक पहले से इन्वेस्टेड है उन्हें अपने निवेश में वैसे ही बना रहना चाहिए और जो लोग नया निवेश करना चाहते हैं वह थोड़ा-थोड़ा करके निवेश कर सकते हैं।

शेयर बाजार लगातार क्यों गिर रहे?

विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर 2024 से फरवरी 2025 तक पांच महीनों में भारतीय बाजार से 3.11 लाख करोड़ रुपए निकाल लिए हैं। इसके अलावा निवेशकों को चीनी कंपनियों के शेयर भारतीय कंपनियों के शेयरों की तुलना में ज्यादा सस्ते दिख रहे हैं। खाने-पीने की चीजें महंगी होने के कारण अक्टूबर 2024 में रिटेल महंगाई बढ़कर 6.21% पर पहुंच गई थी, जो महंगाई का 14 महीनों का उच्चतम स्तर था। खाने-पीने की चीजें सस्ती होने से जनवरी 2025 में रिटेल महंगाई घटकर 5 महीने के निचले स्तर 4.31% पर आ गई थी। लेकिन ये कमी निवेशकों का विश्वास बहाल करने के लिए काफी नहीं है। हाल के महीनों में देखा गया कि भारतीय अर्थव्यवस्था धीमी हो गई है। डोनाल्ड ट्रम्प की ट्रेड पॉलिसीज से निवेशक काफी चिंतित है। भारत सहित कई अन्य देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की धमकी से बाजार में अनिश्चितता दिखाई दे रही है। ट्रम्प ने बीते दिनों कहा था, चाहे वो कोई भी देश हो- भारत या चीन, वे हम पर जितना चार्ज करते हैं, हम भी उतना ही रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएंगे, हम व्यापार में बराबरी चाहते हैं।

चीन की ओर रुझान

विदेश संस्थागत निवेशकों का निवेश चीन भी जा रहा है। चीन की सरकार ने पिछले साल देश की अर्थव्यवस्था का कायाकल्प करने के लिए बड़े निवेश का एलान किया था। इस निवेश के बाद एफआईआई चीन के बाजार में जाने लगे थे। यह दौर अभी भी जारी है। ट्रंप की जीत के बाद अमेरिकी बाजार दुनियाभर से निवेश आकर्षित कर रहा है। दूसरी तरफ संस्थागत निवेश के लिए चीन का बाजार एक मजबूत विकल्प के तौर पर उभरा है। चीन की सरकार के नए प्रयासों ने एक सकारात्मक भावना पैदा की है। चीन ने ब्याज दरों में कटौती की, मार्केट में पैसा डाला और अर्थव्यवस्था को स्थिर किया। इससे निवेशकों को कॉन्फिडेंस मिला है।

उथल-पुथल में अर्थव्यवस्था का हाल

भारत पर सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था का तमगा लगा रहेगा? गांवों की मांग और सरकार का जोर इसे बचा सकता है। तमाम बुरी खबरों के बीच भारत की अर्थव्यवस्था में हम कुछ अच्छे संकेत देख सकते हैं। वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 6.2 फीसदी रही, जो जुलाई-सितंबर तिमाही में 5.4% थी। अच्छे मानसून का इसमें बड़ा योगदान है, ग्रामीण इलाकों में लोगों के पास खर्च करने को पैसा आया है। सरकार ने भी खर्च में तेजी लाई है। पिछली तिमाही में हालात ठीक नहीं थे। शहरी मांग कमजोर थी। अप्रत्याशित रूप से शहरी इलाकों में लोगों के खर्च में कमी आई। पिछले साल चुनाव की वजह से सरकारी खर्च भी रुका था। एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में मंदी के बादल मंडराते हुए दिख रहे थे।

टैरिफ का मामला उलझा

5.4% ग्रोथ रेट सात तिमाहियों में सबसे कम था। वैश्विक स्तर पर परेशानियाँ कम नहीं हैं। अमेरिका के साथ टैरिफ का मसला उलझा हुआ है। ट्रंप प्रशासन टैरिफ की बात कर रहा है। इससे वैश्विक अनिश्चितता बढ़ी है। विनिर्माण और सर्विस सेक्टर पर असर पड़ा है। आने वाले दिनों में व्यापार, होटल और परिवहन में भी सुस्ती रह सकती है। रियल एस्टेट और फाइनेंशियल सर्विसेज भी कमजोर हैं। अब अच्छी बातों पर एक नजर डालते हैं तो कृषि क्षेत्र ने अच्छा प्रदर्शन किया। फसल अच्छी हुई। पिछले तीन महीनों में 4.4% की वृद्धि थी। केंद्र और राज्य सरकारें पूंजीगत व्यय (कैपिटल एक्सपेंडिचर) बढ़ा रही हैं। सड़कें, पुल और प्रोजेक्ट्स पर पैसा लग रहा है। इनसे अर्थव्यवस्था को सहारा मिल सकता है। रिजर्व बैंक ने हाथ खोले हैं। नीतिगत दरें घटाईं, तरलता (लिक्विडिटी) बढ़ाई। सख्त नियमों को टाला, पर 2025-26 में भी जीडीपी दर 7% से नीचे रहने का अनुमान है। अमेरिकी टैरिफ का असर छोटा होगा, पर कुछ सेक्टर्स को नुकसान होगा। विनिर्माण और सर्विसेज पर दबाव है। बजट में टैक्स राहत दी गई। इससे उपभोक्ताओं को फायदा होगा, पर वैश्विक चुनौतियाँ खत्म नहीं हुईं। तो क्या भारत पर सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था का तमगा लगा रहेगा? फिलहाल उम्मीदें कायम हैं।

ये तबाही कब तक जारी रहेगी?

मार्च में कुछ रिकवरी देखने को मिल सकती है। मैक्रोइकॉनमिक स्तर पर बेहतर खबरें आ सकती हैं और कुछ एफआईआईज भी भारतीय बाजार में लौट सकते हैं। अभी विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) द्वारा भारी बिकवाली, अमेरिकी बांड पर बढ़ती आय, रुपये में भारी गिरावट, तीसरी तिमाही के आय में सुस्ती और हाई वैल्यूवेशन ने हाल के महीनों में बाजार की धारणा को प्रभावित किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लिए गए टैरिफ को लेकर फैसले ने बाजार की दिशा-दशा बदली है। ऐतिहासिक रूप से मार्च का महीना तेजड़ियों के पक्ष में रहा है, यानी मार्च में शेयर बाजार अक्सर तेजी में रहा है। पिछले 15 सालों में बेंचमार्क इंडेक्स ने 10 बार पॉजिटिव रिटर्न दिया है और निवेशकों की कमाई कराई है। 30 साल पहले ही मार्च के दौरान तेजी रही थी। लंबी अवधि के नजरिए के हिसाब से अच्छे शेयरों को खरीद सकते हैं। वित्त वर्ष 26 में भारतीय इक्विटी बाजारों के लिए जोखिम और चुनौतियों को देखें तो भारत की विकास संभावनाएं आशाजनक हैं, पर जोखिम भी हैं। निकट भविष्य में बाजार में और कमजोरी नजर आ रही है। निफ्टी शॉर्ट टर्म में और गिरावट की उम्मीद की जा सकती है।

डावांडोल बाजार में क्या अपनाएं रणनीति

यह पूरा हफ्ता निवेशकों के लिए खराब गुजरा है। इसलिए जब गिरावट का दौर हो तो शेयर में निवेश के प्रति सतर्क रहना जरूरी है। एक शेयर ब्रोकर ट्रेडेड मूल्य पर धन कमाता है। इसलिए ज्यादातर ब्रोकरेज हाउस मुफ्त में सलाह दिया करते हैं। ध्यान रहे जब भी नुकसान होगा, आपका ही होगा। इस हफ्ते आपके निवेश की स्ट्रैटेजी क्या होनी चाहिए? अगर आप अपने धन से हाथ नहीं धोना चाहते तो कुछ बुनियादी नियमों का ध्यान रखें।

निवेश के लिए अपनाएं ऐसी स्ट्रैटेजी

ट्रेडर व निवेशक दोनों को अलग-अलग स्ट्रैटेजी अपनानी चाहिए। ट्रेडर है तो स्टॉपलॉस के साथ ट्रेड ले सकते हैं। गिरावट के माहौल का फायदा उठा सकते हैं। हालांकि ट्रेडरों को कम क्वांटिटी के साथ ट्रेड करना चाहिए। इस वक्त ट्रेडरों के लिए भी काफी मुश्किल भरा मार्केट है। निवेशक के लिए अच्छा है कि वह सीधे निवेश से बचें। एसआईपी जारी रखें। कम अग्रेसिव निवेशक थोड़ा इंतजार करें। बाजार में रिवर्सल के संकेतों का वेट करें। इस वक्त ट्रेडर व निवेशक दोनों संभल कर अपनी स्ट्रैटजी बनाएं। वारेन बफे के मुताबिक गिरते बाजार में निवेश करने का जोखिम उठाना चाहिए।

टिप्स का अध्ययन करें

लिटमस टेस्ट करें। आपके निवेश करने के पहले, किसी भी विश्लेषक की टिप्स का कुछ समय तक परीक्षण करें। उसके बाद ही फैसला करें। कई ब्रोकरेज हाउस अपनी बड़ी रिसर्च टीम का दावा करते हैं। उनकी रोजाना रिपोर्ट आती हैं। इनमें से कितनी सही रहती होंगी।

पहले रिसर्च करें, बाद में नहीं

निवेश के पहले शेयर के बारे में ठीक से रिसर्च करें। उस पर ब्रोकर से विस्तार से रिपोर्ट मांगें। लंबी अवधि की संभावनाएं अच्छी हों तभी निवेश करें। ट्रिगर प्राइस और टार्गेट प्राइस वाली टिप्स पर समय बर्बाद नहीं करें।

जो तेज चढ़ता है, तेज गिरता है

जब भी ऊंचाई पर कोई आंकड़ा देखा जाता है, उसमें प्रगति की बड़ी संभावना दिखाई देती है। लेकिन जब कोई शेयर काफी बढ़ चुका हो या किसी सेक्टर में काफी तेजी आ चुकी हो, सतर्क रहना चाहिए। ज्यादा पीई अनुपात का मतलब है कि भविष्य में प्रगति दर घटने वाली है।

समय नहीं है तो सिप से लगाएं धन

अगर आपके पास अपने पोर्टफोलियो में नए शेयर चुनने का समय नहीं है तो शेयर बाजार में सीधे धन नहीं लगाएं। सिस्टैमेटिक इनवेस्टमेंट प्लान (सिप) में निवेश से भी काफी मूल्य निर्मित किया जा सकता है।

अस्थिरता होने पर नहीं करें ये गलतियां

घबराकर बिकवाली ना करें

बाजार में अस्थिरता होने पर घबराहट में बिकवाली करने से बचें। यह सबसे पहला नियम है। कयासबाजी पर तुरंत प्रतिक्रिया करना हानिकारक साबित हो सकता है। आपको हमेशा यह बात देखनी चाहिए कि किसी शेयर की पिटाइ क्यों हुई है? इसे देखते हुए ही किसी शेयर को बेचने का फैसला करना चाहिए। अगर आप गिरावट की वजहों से संतुष्ट नहीं हैं तो इस बात पर विचार करें कि क्यों आपने उस शेयर को खरीदा था। इससे आपको सही समीक्षा करने में मदद मिलेगी।

सिप को नहीं रोकें

आपका कुछ भी फैसला हो, लेकिन, म्यूचुअल फंड में सिप को रोकने की गलती कतई न करें। इससे सिप को लेने का मकसद विफल हो जाता है। बाजार में मंदी का दौर ही वह समय होता है जब आपको इनके साथ जरूर बने रहना चाहिए। इससे आपको अपने लंबी अवधि के लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलती है। सिप को रोककर आप इक्विटी में चक्रवृद्धि ब्याज का लाभ खो देंगे। गिरावट के समय आपको कम कीमत पर ज्यादा यूनिटें खरीदने का मौका मिलेगा। बाजार के वापसी करने पर आप इसका फायदा उठा सकेंगे। लंबी अवधि में इक्विटी से सबसे अच्छा रिटर्न मिलता है। इसलिए इनके साथ बने रहने में समझदारी है।

सिर्फ गिरावट के समय नहीं खरीदें

केवल पिटे हुए स्टॉकों में पैसा लगाने में आप गलती भी कर सकते हैं। इस बात का अंदाजा लगा पाना बेहद मुश्किल है कि किसी कंपनी का निचला स्तर क्या होगा। इससे आप सही मूल्य को आंकने के चक्कर में बुरी तरह से फंस सकते हैं। नए निवेशकों को फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों से दूर रहना चाहिए। किसी कंपनी में निवेश करने से पहले उसके बुनियादी पहलुओं को देखना चाहिए। इस बात की भी जानकारी करनी चाहिए कि कंपनी का ट्रैक रिकॉर्ड कैसा रहा है। उसके रेवेन्यू, प्रॉफिट, प्राइस-टू-अर्निंग रेशियो और डेट-टू-इक्विटी रेशियो के बारे में जानकारी कर लेनी चाहिए। अगर आप खुद यह काम नहीं कर सकते हैं तो किसी प्रोफेशनल की सलाह लेनी चाहिए।

एक सेक्टर में लिवाली न करें

हमेशा डायवर्सिफिकेशन के बारे में सोचना चाहिए। कहते हैं कि एक टोकरी में सभी अंडों को रखना बड़े नुकसान को दावत दे सकता है। इसलिए गिरावट के समय अच्छे शेयरों में निवेश के मौके तलाशने चाहिए। केवल एक सेक्टर के शेयरों में ही दांव लगाने से बचना चाहिए।

कर्ज लेकर शेयरों में न लगाएं

कई लोग ज्यादा रिटर्न के लिए कर्ज लेकर शेयरों में लगा देते हैं इस तरह के निवेश के तरीके को मार्जिन इंवेस्टिंग कहा जाता है। बेशक इस तरह से अच्छा रिटर्न कमाया जा सकता है। लेकिन, इसमें नुकसान भी बहुत ज्यादा होता है। इस तरह के निवेश के तरीके से हमेशा ही बचना चाहिए। बाजार में अस्थिरता के वक्त तो और भी चौकन्ना हो जाना चाहिए।

इक्विटी एनालिसिस सीखना आसान

ऐसे कर सकते हैं शुरूआत

जब आप इक्विटी में निवेश करने जाते हैं तो सबसे मुश्किल काम एनालिसिस समझा जाता है। एक छात्र कॉलेज में स्टॉक मार्केट गेम्स खेला करता था। उन्हें इस गेम में मजा आया, लेकिन वह यह भी जानता था कि यह पैसा बनाने का भरोसेमंद तरीका नहीं है। उसके बाद वे इक्विटी एनालिसिस कॉम्पिटिशन में शामिल हुआ और उन्हें पता चला कि उस फोरम में जिन केस पर चर्चा हुई, वे बेहद पेचीदा थे। क्या किसी नए शख्स के लिए इक्विटी एनालिसिस शुरू करने का कोई आसान तरीका हो सकता है? अगर किसी ने फाइनेंस की पढ़ाई नहीं की है तो वह इक्विटी एनालिसिस सीखने की शुरुआत कैसे करे? आइए जानते हैं। इक्विटी एनालिसिस में कई फैक्टर्स शामिल होते हैं। इसमें आपको सूचनाओं का गंभीरता से विश्लेषण करना पड़ता है। हालांकि, बुनियादी कॉन्सेप्ट्स सिंपल और सीधे हैं। आपको यह देखना होता है कि कंपनी में ऐसी क्वॉलिटी है, जिससे उसका मुनाफा लंबे समय तक बढ़ता रहे? यह सबसे बड़ा सवाल होता है। अगर जो भी एनालिसिस करें, उससे यह पता चलना चाहिए। यह नए बिजनेस के लिए मार्केट ऑपर्च्युनिटी हो सकती है या प्रमोटर्स की समझदारी या प्रॉडक्ट्स तैयार करने का इनोवेटिव तरीका, जिससे कम समय में कंपनी बाजार के बड़े हिस्से पर कब्जा कर ले। इन सभी कामकाज का असर आखिरकार कंपनी के मुनाफे पर पड़ता है।

मार्केट मंत्र | बिजनेस डेस्क

ऐसे समझें

एक ऐसे बिजनेस की कल्पना करिए, जिसकी शुरुआत प्रमोटर्स ने अपने जेब से लगाए पैसे से की हो। इनवेस्टर्स को रिटर्न देने के लिए बिजनेस को एसेट्स की जरूरत पड़ेगी, जिससे वह कोई प्रॉडक्ट बना सके या सर्विस ऑफर कर सके। यह पैसा इस काम के लिए लगाया जाता है और इससे फिर आमदनी होने लगती है। एनालिसिस की शुरुआत इससे की जा सकती है कि कंपनी सेल्स से जो कमाई कर रही है, उससे मुनाफा होगा। टैक्स के बाद जो मार्जिन बचता है, वह इनवेस्टरों के लिए होता है। इसलिए सबसे पहले आपको इस आंकड़े पर नजर डालनी चाहिए। उसके बाद यह सवाल करना चाहिए कि सेल्स में कैसे बढ़ोतरी होगी? क्या कंपनी ट्रेडिंग बिजनेस से जुड़ी हुई है? क्या वह पैसों का इस्तेमाल सामान खरीदने के लिए करती है। इस स्टॉक के क्लीयर होने पर उसे मुनाफा होने लगेगा। कुछ कैपिटल बिजनेस की एसेट्स में ब्लॉक हो सकता है। हालांकि, एसेट्स से जितनी सेल्स हासिल होगी, इनवेस्टर्स का रिटर्न उतना ही अच्छा होगा।

ऐसे करें आकलन

मान लीजिए कि किसी बिजनेस की शुरुआत 100 रुपये से होती है। इस पैसे को फिक्स्ड एसेट्स, स्टॉक और मैटीरियल्स में लगाया जाता है। इससे फिर सामान तैयार किया जाता है। साल के अंत में 150 रुपये की बिक्री हासिल होती है, जिसकी लागत 125 रुपये रहती है। इसमें टैक्स के बाद 25 रुपये का मुनाफा होता है। ऐसे में इनवेस्टर्स का रिटर्न 25 पर्सेंट होगा। अब मान लीजिए कि उस कैपिटल से कंपनी को 300 रुपये की सालाना सेल्स हासिल होती है क्योंकि वह साल में दो बार उतना सामान तैयार करके बेचती है। तब इनवेस्टरों का रिटर्न दोगुना हो जाएगा। एक बिजनेस जो कैपिटल की मदद से अधिक सेल्स हासिल करता है और वह एसेट्स में पहले जितना ही इनवेस्टमेंट करता है तो शेयरहोल्डर्स को अधिक रिटर्न मिलता है। एसेट्स टु सेल्स टर्नओवर से इनवेस्टर्स का रिटर्न बढ़ता है। सेल्स-एसेट्स ऐसा डेटा है, जिससे इनवेस्टर को बिजनेस की एसेट प्रॉडक्टिविटी का पता चलता है।

कर्ज की समझ जरूरी

तीसरी चीज कर्ज है। अगर कोई बिजनेस कैपिटल पर 25 फीसदी का रिटर्न हासिल करता है, तो प्रमोटर्स 10 फीसदी पर कर्ज लेकर उसमें इनवेस्ट करना पसंद करेंगे। मान लीजिए कि बिजनेस में 50 फीसदी इक्विटी और 50 फीसदी बॉरोइंग है। तब क्या होगा? उस वक्त ब्याज चुकाने के बाद मुनाफा 25 रुपये से घटकर 20 रुपये रह जाएगा। हालांकि, 50 रुपये के इक्विटी पर 20 रुपये के रिटर्न 40 फीसदी होगा। यह पहले के 25 फीसदी रिटर्न से अच्छा है। इसलिए एसेट टु नेटवर्थ डाटा को भी देखना चाहिए। रिटर्न ऑन इक्विटी प्रॉफिट मार्जिन, सेल्स एसेट्स और एसेट्स नेटवर्थ से डिसाइड होता है।

इक्विटी के दम से पूरे करें सपने

किसी भी लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट में रिस्क रिवॉर्ड रेशियो का ज्यादा झुकाव इक्विटी इनवेस्टमेंट की तरफ होता है। रिस्क फ्री फिक्स्ड इनकम इनवेस्टमेंट की श्रेष्ठता तब धरी-की-धरी रह जाती है, जब हमें समझ आता है कि जोखिम से आजादी दिखने वाली चीज असल में कुछ हाथ नहीं आने की आजादी है। ये बात हमें तब समझ आती है जब हम रियल, इन्फ्लेशन एडजस्टेड, टैक्स बाद रिटर्न पर गौर करते हैं। हम जैसे ही इक्विटी निवेश की अपरिहार्यता को स्वीकार कर लेते हैं, हमारे सामने तुरंत यह सवाल आता है कि यह मुश्किल काम किया कैसे जाए?

निवेश के दो तरीके

जिन लोगों ने पहले कभी शेयरों में निवेश नहीं किया है उनके लिए यह तय करना मुश्किल है कि शुरुआत कहां से की जाए। वैसे इक्विटी निवेश के दो तरीके होते हैं। एक तरीका यह है कि आप शेयरों का चुनाव और खरीद-फरोख्त खुद करें। दूसरा, इक्विटी फंड्स के जरिए निवेश करें। दोनों का अंतिम मकसद एक ही होता है- इक्विटी से सुपीरियर रिटर्न हासिल करना। हालांकि, दोनों एक्टिविटीज एक दूसरे से एकदम अलग हैं। अगर आप एक्सपर्ट नहीं हैं या इसके लिए ज्यादा वक्त देने को तैयार नहीं हैं तो खुद निवेश करने के बारे में सोचने का कोई फायदा नहीं। ऐसे में म्यूचुअल फंड्स बेहतर विकल्प होंगे। ऐसे कई लोग हैं, जो अपना पोर्टफोलियो खुद मैनेज कर रहे हैं और बेहतर रिटर्न पा रहे हैं। हालांकि, 100 में से 5 या 10 को कामयाबी मिल पाती है। इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेश से इन दिक्कतों से छुटकारा पाया जा सकता है। इक्विटी निवेश का मूल मंत्र यह है कि आपकी नजर में कामयाब स्टॉक इनवेस्टिंग क्या है और इंफॉर्मेशन, एनालिसिस के आधार पर बनी निवेश योजना को अंजाम देने की क्षमता कितनी है। लेकिन म्यूचुअल फंड्स के जरिए इक्विटी निवेश के बहुत ज्यादा फायदे हैं। सबसे बड़ा लाभ यह है कि इसमें अनुशासित डायवर्सिफिकेशन होता है। फंड मैनेजर्स संस्थागत दायरे में काम करते हैं जिसमें उन पर निवेश के कुछ नियम लागू होते हैं। इसमें पोर्टफोलियो डायवर्सिफाइड रहेगा और इंडिविजुअल शेयर, सेक्टर या स्टॉक टाइप को लगने वाले झटके से सुरक्षित रहेगा। दूसरा फायदा यह होता है कि इसमें छोटी रकम से निवेश शुरू किया जा सकता है। म्यूचुअल फंड्स में आप कुछेक हजार रुपये से शुरुआत कर सकते हैं। यह आसान भी होता है। इक्विटी फंड्स का एक और फायदा ये होता है कि लॉन्ग टर्म में इनसे ज्यादा रिटर्न मिलता है। शेयरों के अट्रैक्शन के हिसाब से सभी इक्विटी पोर्टफोलियो में उनकी कुछ खरीदफरोख्त होती है।

ये पांच खूबियां, तभी निवेश में कामयाबी

बिजनेस डेस्क

लोकप्रिय मान्यता के विपरीत, पैसे कमाने के लिए प्रतिभा और कौशल की उतनी जरूरत नहीं होती है जितना उस दिशा में आगे बढ़ने के लिए सही दृष्टिकोण का होना जरूरी होता है। आप शानदार रणनीतियां बनाते हैं, लेकिन उन पर अमल नहीं करते हैं तो आप ज्यादा कुछ नहीं कर पाएंगे। सफल निवेशक, अपने निवेश के मार्ग पर दृढ़ता और धैर्य के साथ आगे बढ़ते रहते हैं और लक्ष्य तक पहुंच कर ही मानते हैं। अगर आप भी निवेशक के तौर पर कामयाबी हासिल करना चाहते हैं तो आपे में पांच खूबियां जरूर होनी चाहिए।

पहले बचत, बाद में खर्च

सफल निवेशक महीने की शुरुआत बचत से करते हैं और खर्च बाद में करते हैं। पहले बचत करने से खर्च पर नियंत्रण रखने में मदद मिलती है। पैसे बनाने के लिए आपका भी पहला कदम यही होना चाहिए। आप ऑटोमैटिक तरीके से महीने की शुरुआत में ही अपनी बचत को लॉक कर सकते हैं। आप बैंक को आपके रेकरिंग डिपॉजिट अकाउंट या म्यूच्यूअल फंड एसआईपी के लिए हर महीने की शुरुआत में ही कुछ रकम काट लेने का स्थायी निर्देश दे सकते हैं।

उद्देश्य के अनुसार निवेश

व्यावहारिक लक्ष्य निर्धारित करना और उसी के हिसाब से निवेश करना एक और ऐसी ही खूबी है जो काफी फायदेमंद साबित होती है। इस बात पर ध्यान देते हुए कि संसाधन सीमित हैं, आपको अपने लक्ष्यों की प्राथमिकता के आधार पर रैंकिंग करनी चाहिए और अपने निवेश लक्ष्य के अनुसार निवेश साधनों का चयन करना चाहिए। बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, शादी-ब्याह और रिटायरमेंट की प्लानिंग जैसे लक्ष्य दीर्घकालिक होते हैं और इसके लिए आपको म्यूच्यूअल फंड्स और पीपीएफ जैसे साधनों में निवेश करना चाहिए। दूसरी तरफ, कार खरीदना या छुट्टी में घूमने जाना जैसे लक्ष्यों को पूरा करने के लिए लिक्विड फंड्स, रेकरिंग डिपॉजिट जैसे अल्पकालिक निवेश साधनों में निवेश किया जा सकता है।

जोखिम उठाने की क्षमता

सफल निवेशक जोखिम उठाने से घबराते नहीं हैं। अच्छा रिटर्न पाने के लिए आपको जोखिमवाले निवेश साधनों में निवेश करना चाहिए। अपना सारा पैसा किसी पारंपरिक संपति में लगाकर आप ज्यादा मुनाफा नहीं कमा पाएंगे। यहां तक कि अधिकांश पारंपरिक संपत्तियों में भी थोड़ा-बहुत जोखिम तो होता ही है। ब्याज दरें समय-समय पर घटती-बढ़ती रहती हैं। उठाए जानेवाले जोखिम को किसी अच्छे रिस्क मैनेजमेंट प्लान की मदद से सुरक्षित किया जा सकता है।

निवेश में लाएं विविधता

अनुभवी निवेशक किसी एक एसेट पर ध्यान देने के बजाय अलग-अलग ऐसेट्स में निवेश करते हैं। उनका कहना है कि अपने सारे अंडे एक ही टोकरी में न रखें। अलग-अलग निवेश साधनों में अलग-अलग रिटर्न मिलने की संभावना रहती है और जोखिम भी अलग-अलग होता है। इक्विटी में बहुत अच्छा रिटर्न मिलता है लेकिन यह बहुत परिवर्तनशील होता है। ऋण निवेश साधनों (डेट इन्वेस्टमेंट इंस्ट्रूमेंट्स) में थोड़ा कम जोखिम होता है और कम रिटर्न मिलता है। दूसरी तरफ, रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश में कम जोखिम होता है और अच्छा रिटर्न भी मिलता है लेकिन इसमें लिक्विडिटी का अभाव होता है। इसलिए, पोर्टफोलियो बनाते समय किसी एक ऐसेट पर ध्यान देने के बजाय अलग-अलग ऐसेट्स में निवेश करना बेहतर होता है। इस तरह जोखिम भी कम हो जाएगा और रिटर्न से समझौता भी करना नहीं पड़ेगा।

पैसे निकालने की आदत छोड़ दें

अंतिम लेकिन बिल्कुल महत्वपूर्ण बात यह है कि आपको अपने निवेश के मामले में धैर्य रखना पड़ेगा। सफल निवेशक किसी के कहने पर या इधर-उधर की बातों या विज्ञापनों पर आंख मूंदकर भरोसा करके पैसे निकालने की गलती नहीं करते हैं। मच्योरिटी से पहले निवेश की रकम निकाल लेने से लक्ष्य आधारित निवेश का उद्देश्य पूरा नहीं हो पाता है। अपने निवेश पर अटल रहने के लिए निवेश के उद्देश्य को याद रखना जरूरी है। दीर्घकालिक निवेशों को अबाधित छोड़ देने पर अच्छा रिटर्न मिलने की संभावना रहती है। इसलिए समय से पहले अपने निवेश को भंजाने की गलती न करें।

सचेत रहते हुए रणनीति बनाएं, तभी गिरते बाजार में कमा पाएंगे निवेशक

अलर्ट | बिजनेस डेस्क

इस समय शेयर बाजार में लगातार गिरावट को दौर जारी है। ऐसे में निवेशकों को भी अलर्ट रहना होगा। भारतीय शेयर बाजार जबरदस्त हलचल से भरा हुआ है। निफ्टी 50 लगातार गिरावट के दौर से गुजर रहा है और अगर आगे भी यह ट्रेंड जारी रहा, तो यह 28 साल में अपनी सबसे लंबी गिरावट दर्ज करेगा। इससे पहले 1996 में ऐसी गिरावट देखने को मिली थी। निफ्टी लगातार पांच महीने तक गिरा है। लगातार गिरावट के इस माहौल में निवेशकों के मन में बड़ा सवाल है अब आगे की रणनीति क्या बनाई जाए, ताकि कुछ वसूली हो सके और निवेशक घाटे से उबर सकें। ऐसे में क्या करें, बाजार से बाहर निकलें? धैर्य बनाए रखें? (लेकिन कब तक?) या नए अवसरों की तलाश करें? इस रिपोर्ट में आपको ऐसे ही कुछ सवालों के जवाब मिलेंगे जो आपको बाजार की सही दिशा के बारे में जागरूक कर सकते हैं।

इस समय एक गिरावट तोड़ सकती है निफ्टी का 28 सालों का रिकार्ड

बाजार के आंकड़े किधर जा रहे

एक्सपट्र्स की राय जानने से पहले बाजार की स्थिति पर एक नजर डालते हैं। निफ्टी पिछले साल सितंबर से गिर रहा है और इसमें लोअर टॉप-लोअर बॉटम पैटर्न बन रहा है। अक्टूबर 2024 से अब तक यह 11.7% गिर चुका है। फरवरी के पहले कुछ हफ्तों में ही इसमें 3% की गिरावट दर्ज हो चुकी है। सन 1990 के बाद से सिर्फ दो बार ऐसा हुआ है जब निफ्टी लगातार पांच महीने तक गिरा हो। पहली बार 1994-95 में जब यह 31.4% टूटा था और दूसरी बार 1996 में जब यह 26% गिरा था। मौजूदा गिरावट तुलनात्मक रूप से कम है, लेकिन चिंताजनक बनी हुई है। विदेशी निवेशकों की बिकवाली एक बड़ी वजह बन रहा है। अक्टूबर 2024 से एफआईआई (विदेशी संस्थागत निवेशक) 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की बिकवाली कर चुके हैं। वैश्विक कारणों को हम नजरअंदाज नहीं कर सकते। चीन के बाजारों में जबरदस्त रिकवरी आई है, जिससे विदेशी निवेशक वहां शिफ्ट हो रहे हैं। इसके अलावा, अमेरिकी नीतियां भी उभरते बाजारों पर असर डाल रही हैं।

निवेशक क्या करें

एक्सपट्र्स का मानना है कि मौजूदा गिरावट में सावधान रहने की जरुरत है मगर घबराने की जरूरत नहीं है, बल्कि यह एक रणनीतिक निवेश का अवसर भी हो सकता है। अब सवाल उठता है कि इस रणनीतिक निवेश की दिशा क्या होगी? हम ब्रोकरेज हाउस और एक्सपट्र्स की राय के आधार पर इन्हें बिंदुवार रखते हैं।

निवेशकों के लिए धैर्य जरूरी

अगर आप लंबी अवधि के निवेशक हैं, तो आपको घबराने की जरूरत नहीं है। स्टॉक मार्केट में उतार-चढ़ाव सामान्य बात है। निफ्टी 50 का एक साल का फॉरवर्ड पी/ई अपने दीर्घकालिक औसत से नीचे कारोबार कर रहा है, जिसका मतलब है कि यह भविष्य में मजबूती पकड़ सकता है।

नई खरीदारी का सही समय

कुछ एक्सपट्र्स का मानना है कि यह खरीदारी का एक अच्छा अवसर हो सकता है। एसबीआई सिक्योरिटीज सलाह देता है कि निवेशक बॉटम-अप स्टॉक-पिकिंग रणनीति अपनाएं और चरणबद्ध तरीके से उच्च गुणवत्ता वाले स्टॉक में निवेश करें।

ट्रेडर्स के लिए क्या रणनीति

अगर आप शॉर्ट-टर्म ट्रेडर हैं, तो यह समय सतर्क रहने का है, जानकारों का कहना है कि जब तक निफ्टी 22,850 के नीचे बना रहेगा, तब तक बिकवाली का दबाव रहेगा। गिरावट की स्थिति में 22,500-22,400 के स्तर तक जाने की संभावना है। ऐसे में ट्रेडर्स को स्टॉप-लॉस का सख्ती से पालन करना चाहिए।

टैक्स हार्वेस्टिंग का लाभ उठाएं

अगर आपने इस साल कुछ नुकसान उठाया है, तो आप इसे टैक्स बचाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।एसबीआई सिक्योरिटीज का सुझाव है कि अगले पांच हफ्तों में टैक्स हार्वेस्टिंग रणनीतियों पर ध्यान देना चाहिए। यह लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन टैक्स को संतुलित करने में मदद कर सकता है।

विदेशियों की रणनीति पर ध्यान दें

एक अन्य विशेषज्ञ के अनुसार, वर्तमान में 'भारत बेचो, चीन खरीदो' की रणनीति अपनाई जा रही है, लेकिन यह ट्रेंड हमेशा के लिए नहीं रहेगा। उभरते बाजारों में पैसा फिर से लौटेगा, और जब ऐसा होगा तो भारतीय शेयर बाजार को भी इसका लाभ मिलेगा।

कौन-से सेक्टर में निवेश करें

- आईटी सेक्टर : रुपये की कमजोरी के कारण आईटी कंपनियों को फायदा हो सकता है।
- बैंकिंग और फाइनेंस : मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियां इस गिरावट के बाद तेजी से उभर सकती हैं।
- रक्षा और मैन्युफैक्चरिंग : सरकार की मेक इन इंडिया पहल के कारण इन सेक्टर्स में ग्रोथ देखने को मिल सकती है।
- फार्मा और हेल्थकेयर : लंबी अवधि के लिए यह एक स्थिर निवेश विकल्प हो सकता है।

यह रखें ध्यान

कुल मिलाकर निफ्टी 50 ऐतिहासिक गिरावट के करीब जरूर है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि निवेशकों को घबराकर बाजार से बाहर निकल जाना चाहिए, यह एक ऐसा समय है जब सही रणनीति और धैर्य के साथ काम करने की जरूरत है। मार्केट एक्सपट्र्स से मिली सीख यह है कि लॉन्ग-टर्म निवेशक गुणवत्तापूर्ण स्टॉक्स को होल्ड करें, शॉर्ट-टर्म ट्रेडर्स स्टॉप-लॉस के साथ चलें, और नए निवेशक चरणबद्ध तरीके से मजबूत कंपनियों में निवेश करें. बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा आते हैं, लेकिन स्मार्ट निवेशक वही होते हैं जो इन मौकों का सही इस्तेमाल करना जानते हैं।

खबर संक्षेप

दो पिस्तोल व पांच जिंदा कारतूस सहित एक काबू

हिसार। अवैध हथियार रखने वालों पर कार्रवाई करते हुए स्पेशल स्टाफ टीम ने कैमरी रोड गंगवा से एक युवक को काबू कर दो अवैध पिस्तोल और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। मुख्य सिपाही विक्रांत ने बताया कि पुलिस टीम ने गश्त के दौरान सूचना के आधार पर कैमरी रोड गंगवा से एक युवक को काबू किया। पूछताछ में उसने अपना नाम आजाद नगर निवासी अंकित बताया। तलाशी लेने पर अंकित के कब्जे से दो अवैध पिस्तोल और पांच जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक आरोपी पहले भी आपराधिक वारदातों में शामिल रहा है। आरोपी पर हत्या प्रयास सहित लड़ाई झगड़े के थाना सिविल लाइन हिसार और आजाद नगर में तीन केस दर्ज है।

सरेआम जुआ खेलते 3 काबू, 12400 रुपये बरामद

हांसी। थाना सदर पुलिस ने सरेआम ताश के पत्तों द्वारा जुआ खेल रहे 3 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान कुलाना निवासी तेलूराम, सुरेश व सुनील के रूप में हुई है पुलिस को पकड़े गए आरोपितों के पास से 12400 रुपये की नगदी बरामद हुई।

पनिहारी से कॉलेज के लिए गई छात्रा गायब

हिसार। बरवाला क्षेत्र के गांव पनिहारी से 21 वर्षीय छात्रा के लापता होने का समाचार है। वह कॉलेज जाने की बात कहकर घर से निकली थी लेकिन वापिस नहीं लौटी। लापता छात्रा खेड़ी जालब स्थित गवर्नमेंट कॉलेज में बीए फाइनल ईयर में पढ़ती है। छात्रा के शाम तक घर न लौटने पर परिजनों ने कॉलेज में पता किया। वहां पता चला कि वह कॉलेज नहीं पहुंची थी। परिवार ने रिश्तेदारों और जानकारों से संपर्क किया, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं मिला। पिता रामनिवास ने बरवाला थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने गांव के ही एक युवक राजेंद्र पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया है। राजेंद्र का मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है। पुलिस ने केस दर्ज करके छानबीन आरंभ कर दी है।

बारात में जा रही कार पलटी, पांच घायल

उकलाना। गांव साहू से किनाला मार्ग पर बारात में जा रही एक कार बेकाबू होकर खेतों में पलट गई। इस हादसे में कार में सवार पांच युवक घायल हो गए। उन्हें स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया है। हादसा बीती देर रात हुआ है। जहां जांडली गांव के अंकित, साहिल और मोना समेत पांच युवक गांव पाबड़ा में एक बारात में शामिल होने जा रहे थे। साहू से किनाला की ओर जाते समय कार का संतुलन बिगड़ गया। वाहन सड़क से उतरकर नहरी खाल को पार करते हुए गेहूं के खेत में जा पलटा।

केंटर ने मारी कार को टक्कर, तीन घायल

हिसार। अग्रोहा के पास हुए हादसे में तीन युवक घायल हो गए। हादसा खड़ी कार को केंटर द्वारा टक्कर मार देने से हुआ। कार सवार युवक फरीदाबाद से मलोट जा रहे थे। घायलों में दो की हालत गंभीर है। बताया जा रहा है कि पंजाब के मलोट निवासी 27 वर्षीय इंकु कुमार अपने भाई शिवम और दोस्त आशीष के साथ कार में सफर कर रहे थे।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस : जेसीडी मेमोरियल कॉलेज में प्रतियोगिताओं का आयोजन

सीवी रमन भारत के लिए ही नहीं अपितु विश्व के वैज्ञानिकों के लिए भी प्रेरणा स्त्रोतः जयप्रकाश

- भारतीय युवाओं का सशक्तिकरण विषय पर कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा। विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते डा. जयप्रकाश। फोटो : हरिभूमि

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के मौके पर जेसीडी मेमोरियल कॉलेज में एक कार्यक्रम का आयोजन गया, जिसमें विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व हेतु भारतीय युवाओं का सशक्तिकरण विषय पर कई तरह की प्रतियोगिताएं करवाई गई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जेसीडी विद्यापीठ के महानिदेशक डॉ. जयप्रकाश ने शिरकत की। डॉ. जय प्रकाश ने इन प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों के इन गतिविधियों में शामिल होने से उनकी संवेदनशीलता बढ़ती है। इससे उनका वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार के प्रति रुचि और झुकाव बढ़ता है देश के विकास का रास्ता विज्ञान से होकर गुजरता है, इसलिए भारत में हमेशा से विज्ञान को बढ़ावा दिया जाता रहा है। अगर भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है तो विज्ञान के क्षेत्र में और अधिक बेहतरी लाने की जरूरत है। विज्ञान न केवल तकनीकी प्रगति का माध्यम है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास का भी आधार है। उन्होंने कहा कि आज का दिन महान वैज्ञानिक सी वी रमन से प्रेरणा लेने के लिए मनाया जाता है डॉ रमन नोबल पुरस्कार प्राप्त करने वाले एकमात्र भारतीय वैज्ञानिक थे जो भारत में जन्मे और यहीं पर कार्य करते हुए नोबल पुरस्कार प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में कई इंटर कॉलेज प्रतियोगिताएं करवाई गई, जिसमें पोस्टर बनाने से लेकर, रोल प्ले, पीपीटी बनाने से लेकर मॉडल और कोलाज प्रस्तुतियों तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन हुआ।

एमएम बीएड कॉलेज में क्विज प्रतियोगिता आयोजित

फतेहाबाद। मनोहर मेमोरियल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, फतेहाबाद में विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की अकादमिक कमेटी के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता से संबंधित समस्त व्यवस्थाएं सहायक प्रवक्ता डॉ. नरसिंह पटेल के मार्गदर्शन में की गई। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाना और उनकी ज्ञानवर्धक क्षमता को विकसित करना था। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में बीएबीएड तृतीय वर्ष से सक्षम व पूजा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया वहीं बीएबीएड प्रथम वर्ष से अनमोल, बीएबीएड द्वितीय वर्ष से पूनम और बीएड प्रथम वर्ष से सिमरनजीत द्वितीय स्थान पर रहे। इसके अलावा बीएड प्राथम वर्ष से प्रिया रानी, बीएबीएड द्वितीय वर्ष से हरमन मान तथा बीएबीएड प्रथम वर्ष से अनमोल ने तृतीय स्थान हासिल किया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. जनक रानी ने विद्यार्थियों की सहभागिता की सराहना की और विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास को बढ़ावा मिलता है और उनके ज्ञान का विस्तार होता है।

श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल में लगाई विज्ञान प्रदर्शनी

सिरसा। श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल में अंतरराष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर हरज्ञान थीम पर आधारित प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने विज्ञान के साथ-साथ अन्य विषयों पर भी अनेक आकर्षक मॉडल प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में मुख्यातिथि जेसीडी डेंटल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अरिंदम सरकार और प्राइमरी हेल्थ केयर की प्रभारी डॉ. नीति डागर थे। विज्ञान प्रदर्शनी में स्कूली विद्यार्थियों ने विज्ञान विषय के अतिरिक्त गणित, सामाजिक विज्ञान, हिंदी और अंग्रेजी विषयों पर भी अपने आकर्षक मॉडल और झाकियां प्रस्तुत की। विज्ञान विषय के तहत विद्यार्थियों के नासा स्पेस सेंटर से जुड़े हुए मॉडल ने सभी को आकर्षित किया। गणित विषय से संबंधित मॉडल के साथ-साथ सामाजिक विज्ञान, हिंदी और अंग्रेजी विभाग द्वारा प्रस्तुत स्किट एवं झांकियों की भी तारीफ की गई।

मुख्त्यार सिंह मैमोरियल कॉलेज बहबलपुर में विभिन्न प्रतियोगिताओं का किया आयोजन

फतेहाबाद। गांव बहबलपुर स्थित मुख्त्यार सिंह मैमोरियल पीजी कॉलेज में आज विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ कालेज प्रबंधन समिति के चेयरमैन डॉ. हरमिंदर सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। प्राचार्य डॉ. ओपी नागपाल ने बताया कि डॉ. सीवी रमन द्वारा रमन प्रभाव की खोज को चिन्हित करने के लिए प्रतिवर्ष भारत में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष भारत सरकार के विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस-2025 का थीम 'विकास भारत के लिए विज्ञान तथा नवाचार में वैश्विक' नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना रखा है। इस अवसर पर महाविद्यालय में मॉडल मेकिंग, पोस्टर मेकिंग, रंगोली, भाषण, कविता प्रतियोगिताएं आयोजित की गई तथा विद्यार्थियों द्वारा स्किट की प्रस्तुति भी की गई। कॉलेज डायरेक्टर अमरदीप कौर ने प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रयासों व रचनात्मकता की प्रशंसा की।

फतेहाबाद। होली उत्सव में श्याम भजनों पर झूमती महिला श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

'तू ले बाबा का नाम अमृत बरसेगा' भजनों पर नाचे श्याम भक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

गुरुकृपा मंडल द्वारा आयोजित होली उत्सव के दौरान आज बीघड़ रोड निवासी मदान परिवार के निवास स्थान पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। मदान परिवार ने ज्योति प्रचंड की गणेश जी आह्वान किया। उसके बाद भारत टुटेजा ने गणेश वंदना, गुरु वंदना का कार्यक्रम का शुभारंभ किया। ममता तनेजा ने सुंदर भजन 'राधे कृष्णा राधे कृष्णा, बिन पिये नशा जो जाता हे रसमयी आनंद बरसाया' प्रस्तुत कर समा बांधा। उसके बाद श्याम प्रेमी सुनील मदान ने 'तेरे नाम के पागल हे , नी में नाचना श्याम दे नाल' अपनी भाव प्रस्तुति दी। उसके बाद टी-सीरिज कलाकार ने भारत टुटेजा ने 'मेरी चूनर पर पड गयो दाग री, तू ले बाबा का नाम अमृत बरसे गा, खाटू वाले श्याम तेरा सच्चा दरबार है, इतनी कृपा सावरे बनाये रखना आदि अपने सुंदर भजनों से सभी को नाचने पर मजबूर कर दिया। मदान परिवार ने गुरुकृपा कृपा मंडल के सेवक भारत टुटेजा का अभिनंदन किया और विशेष सम्मानित किया। उसके बाद बाबा श्याम की आरती की गई और प्रसाद वितरित किया।

चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान की सिरसा शाखा की कार्यकारिणी गठित

सिरसा। चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान की सिरसा शाखा के नए पदाधिकारियों का चयन किया गया, जिसमें सीए अतुल जैन को अध्यक्ष, सीए अश्वनी अरोड़ा को सचिव, सीए मोहित भारती को कोषाध्यक्ष, सीए हिमिज खन्ना को उपाध्यक्ष, सीए प्रवीन गर्ग और सीए परीक्षित को कार्यकारी अध्यक्ष चुना गया है। यह नई टीम सिरसा शाखा के विकास और सदस्यों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। नई टीम के गठन के साथ ही, सिरसा शाखा के सदस्यों ने नए पदाधिकारियों का स्वागत किया और उनके सफल कार्यकाल की कामना की। इस अवसर पर सीए अतुल जैन ने कहा कि हमारी टीम सिरसा शाखा के विकास और सदस्यों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। हम अपने सदस्यों की जरूरतों को पूरा करने और उनकी सेवा करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। इसी तरह सीए अश्वनी अरोड़ा ने कहा कि हमारी टीम में अनुभवी और युवा सदस्यों का मिश्रण है, जो हमें विभिन्न दृष्टिकोण प्रदान करेगा और हमें बेहतर निर्णय लेने में मदद करेगा। सीए मोहित भारती ने कहा कि हमारी टीम का लक्ष्य सिरसा शाखा को और मजबूत बनाना है और हमारे सदस्यों को बेहतर सेवाएं प्रदान करना है।

5 मिनट की ओलावृष्टि से गेहूं व सरसों को नुकसान

हिसार। बरवाला क्षेत्र के आधा दर्जन से अधिक गांवों में शुक्रवार को 5 मिनट तक जमकर ओलावृष्टि हुई। इससे गेहूं और सरसों की फसलों को भारी नुकसान होने का अनुमान है। ओलावृष्टि के साथ तेज हवाओं के कारण गेहूं की फसल बिछ गई। किसानों ने सरकार से मुआवजे की मांग की हे। शुक्रवार को शाम सुलखनी, धांसू, बुगाना, राजली, खानपुर, सिंधड़, सिंघवा राघो समेत आसपास के गांवों में बारिश के साथ हुई भारी ओलावृष्टि व तेज हवा चलने के कारण किसानों की गेंहू की फसल तहस-नहस कर दी। किसानों ने बताया कि पहली बारिश आई फिर ओले गिरे, इसके बाद तेज हवा से गेहूं की फसल बिछ गई जिसे दाना खराब हो गया। गेहूं की बालियां टूट कर नीचे गिर गई। सरसों की फसल भी ओलों की चपेट में आ गई। धांसू के किसान रामप्रकाश बिश्नोई ने बताया कि उनके यहां पर गेहूं की फसल सरसों की फसल में ओले गिरे जिससे फसल बर्बाद हो गई। उन्होंने कहा कि अभी यह नहीं कह सकते कि कितना नुकसान हुआ है क्योंकि 3 दिन के बाद ही पता चल पाएगा की फसल कितनी बर्बाद हुई है। भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष कुलदीप खरड़ ने प्रशासन और सरकार से फसलों की गिरदावरी कराकर किसानों को मुआवजा देने की मांग की।

बैजलपुर के विद्यालय में पांच दिवसीय स्वास्थ्य एवं सफाई कैंप शुरू

- प्रधानाचार्य शिवेंद्र शर्मा, डॉक्टर कामना मोंगा और एसएमसी प्रधान आत्माराम ने संयुक्त रूप से किया उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भूना

पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बैजलपुर में शनिवार को पांच दिवसीय स्वास्थ्य एवं सफाई कैंप का शुभारंभ हुआ। प्रधानाचार्य शिवेंद्र शर्मा, डॉक्टर कामना मोंगा और एसएमसी प्रधान आत्माराम ने संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विज्ञान अध्यापिका एवं हेल्थ एंबेसडर कमला देवी ने की। डॉक्टर कामना मोंगा और उनकी चार सदस्यीय स्वास्थ्य विभाग की टीम ने विद्यार्थियों की स्वास्थ्य जांच की। रक्तचाप, रक्त, आंखों और अन्य सामान्य जांच की गई। प्रधानाचार्य शिवेंद्र शर्मा और डॉक्टर कामना मोंगा ने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य और सफाई के महत्व के बारे में बताया। हेल्थ एंबेसडर कमला देवी ने जानकारी दी कि कैंप में निबंध लेखन और पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता होगी। विजेता विद्यार्थियों को आकर्षक नाम देकर सम्मानित किया जाएगा। पांच दिवसीय कैंप में कृषि, रेड क्रॉस सोसायटी और स्वास्थ्य विशेषज्ञों का विशेष सत्र भी होगा। विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए आईईसी सामग्री भी वितरित की जाएगी।

भूना। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बैजलपुर में शनिवार को पांच दिवसीय स्वास्थ्य एवं सफाई कैंप का शुभारंभ करते प्रधानाचार्य व अतिथिगण तथा विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की जांच करते चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

नेशनल क्राइम सीन इन्वेस्टीगेशन स्पर्धा 2025 में छाए सीडीएलयू के विद्यार्थी

- प्रतियोगिता दो चरणों में दो में संपन्न हुई
- प्रथम चरण में ऑनलाइन क्विज का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा। नेशनल क्राइम सीन इन्वेस्टीगेशन प्रतियोगिता में विजेता रहे विद्यार्थी।

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय की विधि विभाग के छात्रों ने स्वामी देवी दयाल लॉ कालेज बरवाला पंचकूला में आयोजित नेशनल क्राइम सीन इन्वेस्टीगेशन कॉम्पीटिशन 2025 में प्रथम स्थान प्राप्त करके अपने विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। प्रवक्ता ने बताया कि विधि विभाग की टीम असिस्टेंट प्रोफेसर डा. विकास पूनिया के दिशा निर्देशन में प्रतियोगिता में हिस्सा लेने पहुंचे, जिसमें कशिश भटनागर क्रिश शर्मा व प्रदीप कुमार शामिल थे। यह प्रतियोगिता दो चरणों में दो में संपन्न हुई। प्रथम चरण में ऑनलाइन क्विज का आयोजन किया गया जिसमें विधि विभाग की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसके पश्चात द्वितीय चरण में बेस्ट 10 टीमों को बुलाया गया है, जहां पर विधि विभाग की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर ट्रॉफी अपने नाम की व कशिश भटनागर को मिस्टर शेरलॉक होम्स खिताब से भी नवाज़ा गया । डायरेक्टर-प्रिंसिपल डा. रिचा रंजन टीम को इस जीत पर बधाई दी। इस प्रतियोगिता में विभिन राज्यो से टीमों ने हिसा लिया था। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विभागाध्यक्ष प्रो. मुकेश गर्ग व अध्यापक वकील मेहरा, संदीप बिस्ला, सहायक संदीप कुमार व अन्य स्टाफ ने बधाई दी।

सुरक्षा देने के नाम पर 42 लाख ऐंठे, केस दर्ज

हिसार। जिले के अग्रोहा थाना क्षेत्र में सुरक्षा देने के नाम पर एक व्यक्ति से 42 लाख रुपये ठगने का समाचार है। आरोप है कि रायपुर निवासी संजय व उसके साथियों ने उसे भयभीत कर हथियारों के बल पर यह रकम ऐंठी। पुलिस को सूचना दे दी गई है। इस संबंध में मीरपुर गांव निवासी राजेश उर्फ घोलू ने पुलिस को शिकायत दी है। शिकायत में उसने बताया कि आरोपी संजय ने उसे फोन पर कहा कि जगदीश भड़िया उससे बदला लेने वाला है। इसके बाद संजय मीरपुर ने आकर उसे हिसार के सेक्टर-14 में धोलू चौधरी नामक व्यक्ति से मिलवाया। आरोपियों ने सुरक्षा देने के नाम पर पहले दो लाख रुपये लिए और फिर 9 लाख 80 हजार रुपये ऐंठ लिए। बाद में संजय ने और हथियार लाने और बुलेटप्रूफ जैकेट के लिए 6.5 लाख रुपये की मांग की, जिसे राजेश ने अपने जानकारों से दिलवा दिए। इसके बाद आरोपियों ने राजेश को धमकाकर और अधिक रुपए देने को मजबूर किया।

सीएमके नेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने निकाली जागरुकता रैली

- एनएसएस की दोनों इकाइयों के विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा
- विद्यार्थियों को नेत्रदान व अंगदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा। एनएसएस कैंप में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

सीएमके नेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सात दिवसीय कैम्प के दूसरे दिवस विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः कालीन योग ध्यान एवं सूर्य नमस्कार से हुआ जिसमें एनएसएस की दोनों इकाइयों के सभी छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्या डॉ रंजना ग्रोवर ने उपस्थित विधाथियों को संबोधित करते हुए कहा कि उज्जवल भविष्य निर्माण उनका होता हैं जो हर कार्य को गुणवत्ता, सहजता, परिश्रम, निष्ठापूर्वक होकर अनुशासन में रह उसे पूर्ण करते हैं इसलिए जीवन के हर पड़ाव में अनुशासन व सयंम से कार्य करते रहें। इस मौके पर नशामुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक रैली निकाली गई, जिसमें विद्यार्थियों ने नशें के खतरों और इसके निवारण के बारे में लोगों को जागरूक किया। इसके पश्चात नागरिक अस्पताल के काउंसलर राहुल शर्मा ने विद्यार्थियों को नेत्रदान व अंगदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नेत्रदान व अंगदान किस प्रकार से जीवन को बचा सकता है और इसके माध्यम से हम दूसरों की मदद कर सकते हैं। इस मौके पर एनएसएस यूनिट की नोडल आफिसर डॉ.दीपिका शर्मा, डा. रति तिवारी, डॉ सरबन कंबोज आदि मौजूद रहे।

बोर्ड परीक्षा में आउट ऑफ सिलेबस प्रश्न आने पर स्कूल संघ ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

हांसी। शिक्षा बोर्ड के नाम एसडीएम राजेश खोथ को ज्ञापन सौंपते हरियाणा प्राइवेट स्कूल संघ के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

दसवीं की बोर्ड परीक्षा में आऊट आफ सिलेबस प्रश्न आने पर शनिवार को हरियाणा प्राइवेट स्कूल संघ हांसी ने उपप्रधान मनोज आहुजा के नेतृत्व में एसडीएम राजेश खोथ को ज्ञापन सौंपा।

हरियाणा प्राइवेट स्कूल संघ हांसी के प्रधान रविन्द्र अत्री ढंढेरी ने बताया कि एसडीएम खोथ को सौंपे गए ज्ञापन हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित कक्षा दसवीं की परीक्षा में गणित के पेपर पाठ्यक्रम से बाहर प्रश्न आने को लेकर ज्ञापन सौंप बच्चों को ग्रेस मार्क्स दिए जाने की मांग की गई है। स्कूल निदेशक अनिल कुमार ने बताया कि सितम्बर 2024 की परीक्षा में भी पैटर्न अप्लाई नहीं हुआ। पहली बार इस पैटर्न का पेपर आया जिससे विद्यार्थियों में भारी निराशा है। सतीश वर्मा ने कहा कि प्रश्न पत्र सैम्पल पेपर से मैच नही हुआ और ऐसे में 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी 70 प्रतिशत अंकों पर ही रूक जाएंगे। प्राइवेट स्कूल संघ हांसी ने हरियाणा शिक्षा बोर्ड से आगामी पेपरों को निर्धारित पाठ्यक्रम अनुसार तथा परीक्षा के प्रिंट करवाए गए पेपरों की जांच करवाकर परीक्षा ली जाए।

सत्संग | गोमाता की सेवा के लिए ही होता है संतों का आवागमन

गांव फूलकां गोशाला में मत्स्य महापुराण एवं दुर्लभ सत्संग का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तहत है 18 पुराणों का संकल्प

माता-पिता शुरू से ही बच्चों को अध्यात्म से जोड़ें: स्वामी नित्यानंद

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

गांव फूलकां गौशाला में मत्स्य महापुराण एवं दुर्लभ सत्संग का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तहत 18 पुराणों का संकल्प है, जिसका उद्देश्य अध्यात्म है। अध्यात्म से ही हम तनाव से मुक्ति पा सकते हैं। माता-पिता शुरू से ही बच्चों को अध्यात्म से जोड़ें, ताकि बच्चों में धार्मिक संस्कार पैदा हों और वे समाजसेवा, देश सेवा के लिए समर्पित भाव से काम करें। यह बात गांव फूलकां स्थित स्वामी लक्ष्येश्वर गौसेवा सदन में चल रही मत्स्य महापुराण एवं दुर्लभ सत्संग के दौरान स्वामी नित्यानंद गिरी महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही। स्वामी ने कहा कि कुछ लोग गौमाता को बेसहारा छोड़ देते हैं। गौमाता की सेवा के लिए ही संतों का आवागमन होता है। संतों का उद्देश्य बेसहारा गौवंश को किसी न किसी प्रकार आश्रय देना होता है। उन्होंने कहा कि गौसेवा से बड़ी कोई सेवा नहीं है। युवा पीढ़ी के नशे की ओर अग्रसर होने संबंधी समस्या पर बोलते हुए स्वामी ने कहा कि युवा नशे की लत में पडक़र अपनी जवानी खो रहे हैं। युवा सांसारिक सुख के लिए नशे से लेकर सभी गलत कार्य कर रहे हैं, लेकिन उन्हें वास्तविक सुख का ज्ञान नहीं है। वास्तविक सुख सत्संग से ही मिल सकता है। स्वामी जी ने कहा कि वे किसी के घर जाते हैं तो संकल्प करवाते हैं कि एक व्यसन को दक्षिणा में दे दो और कुछ नहीं चाहिए। स्वामी जी ने कहा कि अपने लिए जीना पशुता है, जबकि जो इंसान दूसरों के लिए जीता है, वही मानवता की सच्ची सेवा है। मानव जीवन के महत्व को लोग नहीं जानते। सत्संग ही एक एसा माध्यम है, जिससे लोग मानव जीवन को बेहतर तरीके से जान सकते हैं। धर्म संबंधी सवाल पर स्वामी जी ने कहा कि धर्म मानवता का कल्याण करना सिखाता है, धर्म सिखाता है कि हम मानवता के लिए क्या कर सकते हैं। गौमाता के महत्व को लेकर बोलते हुए स्वामी जी ने कहा कि कैसर से लेकर गंभीर से गंभीर बिमारियां भी गौमाता के मूत्र से ठीक हो जाती है। महाकुंभ को लेकर स्वामी जी ने कहा कि स्नान का, दान का व सत्संग का भी अपना एक महत्व है। तीनों से मानव जीवन का उद्धार होता है। जहां भी जाएं भगवान का स्मरण करें, तप करें, नियमों का पालन करें और जहां भी जाएं एक-एक व्यसन छोडक़र आएं।

स्वामी नित्यानंद गिरी महाराज।

खबर संक्षेप

हैल्थ इंश्योरेंस के नाम पर हजारों की ठगी

फतेहाबाद। टोहाना में ठगों ने हैल्थ इंश्योरेंस के नाम पर एक युवक से हजारों रुपये ऐंठ लिए और बाद में इंश्योरेंस करने से मना करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगा। इस मामले में टोहाना पुलिस ने पीड़ित युवक की शिकायत पर केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में वार्ड नं. 19, जवाहर गली टोहाना निवासी राहुल कुमार ने कहा है कि एक व्यक्ति ने उसे टाटा हैल्थ इंश्योरेंस के नाम पर उससे बात की और उससे आकाशगिरी नामक व्यक्ति के अकाऊंट में 48 हजार 207 रुपये डलवा लिए। इसके बाद जब उसने उक्त व्यक्ति से बात की तो उसने उसका हैल्थ इंश्योरेंस करना से मना कर दिया।

गलती से पैसे ट्रांसफर होने की बात कहकर हजारों ठगे

फतेहाबाद। गलती से पैसे ट्रांसफर होने की बात कहकर साइबर ठगों ने टोहाना की एक महिला से हजारों रुपये की राशि हड़प ली। इस बारे जब महिला को अपने साथ हुए फ्रॉड का पता चला तो उसने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में टोहाना पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में इंदिरा कालोनी ढाणी, टोहाना निवासी मनदीप कौर ने कहा है कि कुछ दिन पहले उसके पास अज्ञात व्यक्ति ने फोन किया। फोन करने वाले ने कहा कि उसके खाते में गलती से उसने 20 हजार रुपये डाल दिए हैं। वह उसे यह रुपये वापस उसके खाते में ट्रांसफर कर दें। महिला ने कहा कि उक्त व्यक्ति ने उसे झांसा देकर और बातों में फंसाकर उससे दो ट्रांजेक्शन में 31 हजार 500 रुपये ट्रांसफर करवा लिए। जब उसने अपने खाते को चैक किया तो पाया कि उसके खाते में कोई राशि नहीं आई थी। इस पर जब उसे अपने साथ हुई ठगी का पता चला तो उसने साइबर क्राइम में सूचना दी। जिसके बाद 11 हजार 500 रुपये होल्ड हो गए हैं। महिला ने कहा कि इसके बाद वह पहले अपने स्तर पर आरोपी की तलाश की लेकिन जब कुछ पता नहीं चला।

तीन युवक चिकित्सक से मोबाइल छीनकर फरार

फतेहाबाद। जिले के शहर टोहाना में छीना झपटी की घटनाएं रूकने का नाम नहीं ले रही है। गत दिवस भी बाईक सवार तीन युवक एक चिकित्सक के हाथ से मोबाइल फोन छीनकर मौके से फरार हो गए। इस बारे पीड़ित व्यक्ति द्वारा पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में अम्बेडकर चौक स्थित गोयल बच्चों का अस्पताल के डॉ. नवीन गोयल ने कहा है कि गत दिवस शाम को वह सैर करने मार्वल कालोनी से अपने घर की तरफ जा रहा था। जैसे ही वह रतिया रोड पर पहुंचा तो मुंह ढके तीन अज्ञात युवक बाईक पर आए। उक्त युवकों ने अपना मोटरसाइकिल उसके पास रोका और उसके हाथ से मोाबइल फोन छीनकर मौके से फरार हो गए।

महिला के क्रेडिट कार्ड से हजारों रुपये निकाले

फतेहाबाद। साइबर ठगों ने गांव बनगांव निवासी एक महिला के क्रेडिट कार्ड से हजारों रुपये निकालने का मामला सामने आया है। इस बारे पीड़ित महिला द्वारा पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई जिसके बाद पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

भूमि पूजन कर श्री राम सेवा समिति के चैरिटेबल हॉस्पिटल की रखी नींव

श्रीराम सेवा समिति खैराती रोड पर बन रहा अस्पताल, रियायती दर पर मिलेगा उपचार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

श्रीराम सेवा समिति जरूरतमंद व गरीबों को सस्ता इलाज के लिए मल्टीस्पेशलिटी चैरिटेबल अस्पताल खोलने जा रही है। खैराती रोड पर एक एकड़ जमीन पर बनने वाला यह अस्पताल तीन मंजिला होगा और यहां मुफ्त अथवा रियायती दरों पर जरूरतमंद लोगों का उपचार किया जाएगा। करोड़ों रुपए की लागत से बनने वाले चैरिटेबल हॉस्पिटल की चारदीवारी की समिति के प्रधान धर्मपाल बुढलाडिया की अध्यक्षता में पूरे धार्मिक रीति रिवाज, मंत्रों उच्चारण के साथ तीन कन्याओं द्वारा भूमि पूजन कर शनिवार को नींव रखी गई। इस अस्पताल में सभी प्रकार के ऑपरेशन रियायती दरों पर किए जाएंगे।

श्रीराम सेवा समिति द्वारा बनाए जा रहे इस अस्पताल की तीन मंजिला बिल्डिंग होंगी और यह बिल्डिंग 2 साल में बनकर तैयार हो जाएगी। इस अस्पताल के निर्माण पर करीब 15 करोड़ रुपये की लागत आएगी। समिति के प्रधान धर्मपाल बुढलाडिया का कहना है कि श्रीराम सेवा समिति व उनका यह पुराना सपना है कि गरीब लोगों को अच्छा व सस्ता ईलाज मिल सके। वह पिछले कई सालों से प्रयासरत थे कि यहां चैरिटेबल अस्पताल की स्थापना की जाए। बता दें कि श्रीराम सेवा समिति इससे पूर्व शहर में दो धर्मशालाएं व एक सीनियर सैकेण्डरी स्कूल चला रही है। इसके अलावा श्रीराम सेवा समिति द्वारा 1928 से लगातार शहर में ऐतिहासिक रामलीला का भी मंचन किया जा रहा है। समिति की गणना शहर की प्रमुख सामाजिक संस्थाओं में होती है। वर्तमान में धर्मपाल बुढलाडिया समिति के प्रधान हैं। इसकी स्थापना उनके दादा ख्याली राम बुढलाडिया ने की थी। उनके बाद धर्मपाल बुढलाडिया के पिता प्रेमस्वरूप बुढलाडिया प्रधान रहे। अब तीसरी पीढ़ी समिति का संचालन कर रही है। शनिवार को अस्पताल का भूमि पूजन किया गया। तीन कन्याओं ने इसकी आधारशिला रखी। धर्मपाल बुढलाडिया ने बताया कि इस अस्पताल में शहर में आसपास के इलाके से आने वाले मरीजों को मुफ्त बराबर, कम से कम खर्चे पर अच्छा इलाज होगा। इस अवसर पर अग्रवाल सभा के संरक्षक देवीदयाल तायल, राम सेवा समिति के सचिव ज्ञानानंद मित्तल, कैशियर संजय, समाजसेवी राजकुमार जिंदल, शिवपुरी सभा के वरिष्ठ सदस्य सतपाल अरोड़ा, भीमसैन, राजेन्द्र मोदी, नानू गर्ग, शंकर बंसल, सुनील शर्मा, संदीप मित्तल, अनिल गुप्ता, गुलशन अरोड़ा सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

फतेहाबाद। निर्माणाधीन चैरिटेबल अस्पताल व चैरिटेबल अस्पताल की नींव रखते श्रीराम सेवा समिति के सदस्य।

गरीबों से ऑखों के ऑपरेशन के नाम पर 30 से 40 हजार वसूले जा रहे

उनका सपना है कि गरीब लोगों को कम खर्च में बेहतर उपचार मिले। आज आंखों के ऑपरेशन के नाम पर गरीबों से 30 से 40 हजार रुपये वसूले जा रहे हैं जोकि नाजायज है जबकि यह लैंस केवल 2-3 हजार का ही होता है। सरकारी अस्पतालों में लोगों को सुविधाएं नहीं मिल पाती। ऐसे में वह चाहते हैं कि गरीबों के लिए ऐसे चैरिटेबल अस्पताल का निर्माण किया जाए जहां कोई भी जरूरतमंद पैसे के अभाव में उपचार से वंचित न रह जाए।

-**धर्मपाल बुढलाडिया**, प्रधान श्रीराम सेवा समिति

गुटबंदी की भेंट चढ़ गया पंजाबी सभा अस्पताल

श्रीराम सेवा समिति से पूर्व फतेहाबाद में पंजाबी सभा द्वारा चैरिटेबल अस्पताल चलाया जा रहा है। पंजाबी सभा कई गुटों में बटी है। अस्पताल के संचालन को लेकर भी दो धड़े बंटे हुए हैं। शुरूआत में अस्पताल खूब चला। यहां मरीजों की कतारें लगी रहती थी लेकिन सभा के ही कुछ लोगों ने अपनी मनमानी के चलते फर्जी मैम्बर बनाए तो कई लोगों ने फर्जीवाड़ा कर अपना घर भरने का काम किया। ऐसे में इस चैरिटेबल अस्पताल का संचालन गर्त में जाता रहा। आज हालात यह है कि वहां नाममात्र के ही मरीज जाते हैं। ऐसे में श्रीराम सेवा समिति द्वारा चैरिटेबल अस्पताल की स्थापना करना समाज के लोगों के लिए काफी लाभदायक हो सकता है।

सिरसा रोड स्थित मांझू पेट्रोल पंप पर लूटपाट का प्रयास

पुलिस पर आरोपी छोड़ने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

शहर के सिरसा रोड स्थित सिरसा रोड स्थित मनीराम मांझू पेट्रोल पंप पर देर रात्रि कुछ बदमाशों द्वारा लूटपाट का प्रयास करने का मामला सामने आया है। हालांकि, पंप कर्मियों की सतर्कता और सूझबूझ के कारण यह वारदात टल गई। पंप संचालकों का आरोप है कि सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवकों को हिरासत में ले लिया, लेकिन सुबह उन्हें छोड़ दिया गया। अब ये युवक दिन में भी पंप के आसपास मंडरा रहे हैं, जिससे किसी बड़ी घटना की आशंका बनी हुई है। पंप मैनेजर तरसेम लाल ने बताया कि रात करीब 12 बजे चार युवक बाइक पर पेट्रोल भरवाने आए। इस दौरान उन्होंने हथियारों के बल पर पंप कर्मियों से लूटपाट करने की कोशिश की, लेकिन चतुराई दिखाते हुए कर्मियों ने उन्हें रोक लिया और तुरंत डायल 112 को सूचना दे दी। कुछ ही देर में पुलिस मौके पर पहुंची और संदिग्ध युवकों को अपने साथ ले गई। पंप संचालकों के अनुसार, उन्हें कुछ घंटों बाद रिहा कर दिया गया।

खेत में बने कमरे से एसी सहित हजारों का सामान चोरी

फतेहाबाद। चोरों ने गांव जमालपुर शेखां में खेत में बने कमरे से एसी सहित हजारों का सामान चोरी कर लिया। इस बारे सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में गांव जमालपुर शेखां निवासी मंगल निवासी जमालपुर शेखां ने कहा कि वह पिछले 20 सालों से सुभाष गाबा निवासी हिसार के खेत में सीरी का काम करता है। गत दिवस जब वह खेत में लगे सामान को सही छोडक़र घर चला गया था। अगले दिन सुबह जब वह खेत में आया तो उसने देखा कि खेत में बने कमरे से एक एसी, एक फ्रिज, गैस चूल्हा, सिलैण्डर, कुर्सियां, मेज व बर्तन गायब थे। इस पर पहले उसने आसपास सामान की तलाश की लेकिन जब कुछ पता नहीं चला तो उसने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में सदर टोहाना पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सुभाष खिचड़ भाजपा की एक देश एक चुनाव की प्रदेश टोली के सदस्य नियुक्त

फतेहाबाद। वरिष्ठ भाजपा नेता सुभाष खिचड़ को हरियाणा भाजपा की एक देश एक चुनाव की प्रदेश टोली का सदस्य नियुक्त किया गया है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष पंडित मोहनलाल बडौली द्वारा यह जिम्मेदारी तय की गई है। प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया की ओर से इस संबन्ध में पत्र जारी कर दिया गया है। भाजपा नेता सुभाष खिचड़ ने अपनी इस नियुक्ति पर प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडौली का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि वे संगठन द्वारा तय की गई जिम्मेवारी को पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निभाएंगे। भाजपा आज देश-दुनिया का सबसे बड़ा और मजबूत राजनीतिक संगठन है। देश की चुनावी प्रक्रिया को और बेहतर करने के लिए भाजपा का संगठन एक देश एक चुनाव के संकल्प को देश में प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए प्रयास करेगा।

पांच दिवसीय स्वास्थ्य एवं सफाई कैंप शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बैजलपुर में शनिवार को पांच दिवसीय स्वास्थ्य एवं सफाई कैंप का शुभारंभ हुआ। प्रधानाचार्य शिवेंद्र शर्मा, डॉ. कामना मोंगा और एसएमसी प्रधान आत्माराम ने संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विज्ञान अध्यापिका एवं हेल्थ एंबेसडर कमला देवी ने की। डॉ. कामना मोंगा और उनकी चार सदस्यीय स्वास्थ्य विभाग की टीम ने विद्यार्थियों की स्वास्थ्य जांच की। रक्तचाप, रक्त, आंखों और अन्य सामान्य जांच की गई। प्रधानाचार्य शिवेंद्र शर्मा और डॉ. कामना मोंगा ने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य और सफाई के महत्व के बारे में बताया। हेल्थ एंबेसडर कमला देवी ने जानकारी दी कि कैंप में निबंध लेखन और पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता होगी, विजेता विद्यार्थियों को आकर्षक नाम देकर सम्मानित किया जाएगा। पांच दिवसीय कैंप में कृषि, रेड क्रॉस सोसायटी और स्वास्थ्य विशेषज्ञों का विशेष सत्र भी होगा।

भूना। बैजलपुर में आयोजित कैम्प में भाग लेते अतिथिगण।

युवक के खाते से हजारों रुपये निकाले, केस दर्ज

फतेहाबाद। ठगों ने टोहाना के एक व्यक्ति को अपना निशाना बनाते हुए उसके बैंक खाते से हजारों रुपये निकाल लिए। इस बारे जब युवक को अपने साथ हुए फ्रॉड का पता चला तो उसने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में सदर टोहाना पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव बोस्ती निवासी राजेश कुमार ने कहा है कि उसका सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया टोहाना में खाता है। गत दिवस अज्ञात व्यक्ति ने धोखाधड़ी करके उसके खाते से 16 हजार 548 रुपये निकाल लिए हैं। जब उसे खाते से पैसे निकलने का पता चला तो उसने पहले अपने स्तर पर इस बारे जांच पड़ताल की लेकिन जब कुछ पता नहीं चला।

विभिन्न प्रकोष्ठों की कार्यकारणियों का किया विस्तार

फतेहाबाद। अखिल भारतीय संगठन ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी के फतेहाबाद जिला अध्यक्ष रविंद्र मेहता पार्षद ने हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष औम प्रकाश चुघ से विचार विमर्श कर राष्ट्रीय अध्यक्ष साहिब दयाल वधवा व संस्थापक कमल हांडा की अनुमति व दिशा निर्देशन में फतेहाबाद जिला, विधानसभा व विभिन्न प्रकोष्ठों की कार्यकारणियों का विस्तार किया है। नई नियुक्तियों में डॉ. रमेश सेठी को मेडिकल विंग विधानसभा अध्यक्ष, महेश जताना को व्यापार प्रकोष्ठ विधानसभा अध्यक्ष, नरेंद्र आहूजा को विधानसभा उपाध्यक्ष, राजिंदर कुमार मोंगा को व्यापार प्रकोष्ठ विधानसभा उपाध्यक्ष, रमेश सचदेवा को वाइस प्रेसिडेंट विधानसभा मेडिकल विंग, जोगिंदर पाल मदान को वाइस प्रेसिडेंट विधानसभा, महेश कुमार रहेजा व हेमराज बजाज को विधानसभा कार्यकारणी सदस्य, सोनू चुघ को वाइस प्रेसिडेंट विधानसभा, रमेश सचदेवा को वाइस प्रेसिडेंट विधानसभा मेडिकल विंग बनाया गया।

दिमागी रुप से परेशान महिला को डेरा श्रद्धालुओं ने परिजनों से मिलवाया

- महिला के रिश्तेदार उसको देखकर भावुक हो गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

गांव अलीका में दिमागी तौर से परेशान एक महिला को डेरा श्रद्धालुओं ने उसके परिजनों से मिलवाकर इंसानियत का परिचय दिया है। महिला के रिश्तेदार उसको देखकर भावुक हो गए। मिली जानकारी के अनुसार कुछ दिन पूर्व गांव अलीका के बस स्टैंड पर दिमागी रूप से परेशान महिला लोगों को पत्थर मार रही थी। इस बीच वहां से गुजर रहे डेरा सच्चा सौदा के 15 मैंबर केवल कृष्ण ने महिला की हालत को देखते हुए उसे अपने घर ले गए। जहां पर केवल कृष्ण की धर्मपत्नी शिला, बेटी करूंषी व रुचि ने उसे नहला कर साफ सुथरे कपड़े पहनाए व उसे खाना आदि खिलाया। इसके बाद उसने इसकी सूचना गांव के सरपंच को दी। इसके बाद उन्होंने इस महिला का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल किया। इसी दौरान डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह इन्सां द्वारा चलाए गए ऑनलाइन गुरुकुल के माध्यम से केवल कृष्ण व उनकी धर्मपत्नी ने उक्त महिला को नाम की अनमोल दात भी दिलवाई, बिमारी का प्रशाद दिलाया। इसके बाद महिला की स्थिति में सुधार होने पर वह बोलने लगी है और उसने नाम 34 वर्षीय सुशीला बताया। उसने बताया कि वह दिल्ली के नरेला की रहने वाली है। भट्ठे के गांव चूली बागडिय़ान में उसकी बुआ रहती है। वे उसे उसकी बुआ शकुन्तला के पास छोड़ दें। इसके बाद केवल कृष्ण ने उक्त महिला को 5-6 अपने घर रखकर उसकी अपने बच्चों की तरह देखभाल की। वह उसके स्वस्थ होने के बाद उसे उसकी बुआ के घर चुली बागडिय़ां डेरा सच्चा सौदा के जिम्मेवारों को साथ लेकर छोडक़र आए। इस मौके पर डॉ. अनिल इन्सां, विनय, जीत, रोहित, निशु के अलावा अनेक डेरा प्रेमी मौजूद रहे।

रतिया। महिला को उसके परिजनों को सौंपते डेरा श्रद्धालु।

खालसा कॉलेज में सात दिवसीय एनएसएस कैम्प का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

खालसा त्रिशताब्दी राजकीय महाविद्यालय, रतिया में एनएसएस के स्वयंसेवकों द्वारा सात दिवसीय कैम्प का आयोजन किया गया। इस सात दिवसीय कैम्प के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शहीद देवेन्द्र सिंह राजकीय कन्या महाविद्यालय रतिया के प्राचार्य प्रो. परमजीत सन्धा ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि एनएसएस राष्ट्र की युवाशक्ति के व्यक्तित्व विकास हेतु भारत सरकार द्वारा संचालित एक सक्रिय कार्यक्रम है। इसकी गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थी समाज के लोगों के साथ मिलकर समाज के हित के कार्य करते है। साक्षरता संबंधी कार्य, पर्यावरण सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं सफाई आपातकालीन या प्राकृतिक आपदा के समय पीड़ित लोगों की सहायता की भावना जागती है। विद्यार्थी जीवन से ही समाजपयोगी कार्यों में रत रहने से उनमें समाज सेवा या राष्ट्र सेवा के गुणो का विकास होता है, जो एक बेहतर समाज का निर्माण करने के लिए आवश्यक है। कैम्प में महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों यूनिटों के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर एनएसएस यूनिट प्रथम के इन्चार्ज प्रो. कृष्ण लाल व द्वितीय यूनिट इंचार्ज प्रो. सुरेन्द्र सभरवाल ने विद्यार्थियों को राष्ट्र एवं समाज में एकता एवं आपसी सौहार्द की भावना बनाये रखने का संदेश दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय में एनएसएस अधिकारियों द्वारा पौधारोपण किया गया व विद्यार्थियों को पर्यावरण को संरक्षित रखने की शपथ दिलाई गई। इसके बाद एनएसएस यूनिट प्रथम के विद्यार्थी गांव लाली व यूनिट द्वितीय के विद्यार्थी गांव हड़ौली के लिए रवाना हुए।

सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन का जत्था धार्मिक भ्रमण पर होगा रवाना

रतिया। सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन ट्रस्ट की मासिक मीटिंग एसोसिएशन के अनाज मंडी में स्थित कार्यालय में वरिष्ठ उपाध्यक्ष तेजिन्द्र सिंह ओजला की अध्यक्षता में संपन्न हुई। मीटिंग में जहां वरिष्ठ नागरिकों के उत्थान के लिए कई अहम मुद्दों पर गहन विचार-चर्चा की गई वहीं एसोसिएशन के सदस्यों का मार्च माह में धार्मिक भ्रमण पर जाना भी पास किया गया। इसके आयोजन के लिए रिटायर्ड मुख्य अध्यापक पवन कुमार सिंगला को परियोजना अधिकारी नियुक्त किया गया। मीटिंग के उपरांत फरवरी माह में सदस्यों में शिशन पाल मंगला, रिटायर्ड मुख्य अध्यापक पवन कुमार सिंगला एवं रिटायर्ड सुबेदार मेजर गुरमुख सिंह भुल्लर का केक काट कर जन्म दिवस मनाया गया और स्मृति चिन्ह भेंट किये गए। उपरांत सभी सदस्यों ने जलपान का लुत्फ उठाया। मंच संचालन मास्टर गोपाल चंद कुलरियां ने किया। इस अवसर गुरनाम सिंह तेलीवाड़ा, चित्रकार कृष्ण सिंह, डॉ सोम गोयल, वीरभान बंसल, मदनलाल सिंगला, पवन कुमार, मास्टर राज कुमार खिप्पल, रिटायर्ड लेफ्टिनेंट हरभजन सिंह, धर्म पाल एवं हमीर सिंह घासवा आदि सदस्य भी मौजूद थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 8814999173, 9253681005

कार्यक्रम | कुपोषण मुक्त अभियान के अंतर्गत महिलाओं को किया गया जागरूक

गर्भावस्था के दौरान संतुलित एवं पोषक आहार जरूरी : सुमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

कुपोषण मुक्त अभियान के तहत टोहाना के गांव अकांवाली के आंगनबाड़ी सेंटर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुपरवाइजर सुमन मलिक ने महिलाओं को कुपोषण मुक्त अभियान के अंतर्गत जागरूक करते हुए कहा कि पौष्टिक आहार स्वस्थ शरीर के लिए बहुत जरूरी है। सुपरवाइजर सुमन मलिक ने बताया कि कुपोषण मुक्त अभियान का मुख्य लक्ष्य पौष्टिक आहार के बारे में जन-जन को अवगत करवाना है। उन्होंने महिलाओं को बताया कि गर्भावस्था के दौरान संतुलित एवं पोषक आहार से ही स्वस्थ बच्चे का जन्म होता है। बच्चे को माँ का दूध और छह महीने बाद संतुलित आहार देना आवश्यक है, जिससे वह कुपोषण से बच सके और उसका संपूर्ण विकास हो सके। कुपोषण एक गंभीर समस्या है, जो महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। इसे दूर करने के लिए हमें हरी सब्जियाँ, दालें, दूध, फल और सूखे मेवे अपने आहार में शामिल करने चाहिए। कुपोषण हमें अनेक बीमारियों का शिकार बना लेता है जिससे मनुष्य को सामान्य जीवन जीने में अनेक परेशानी आती हैं। उन्होंने कहा कि आहार से संबंधित बरती गई थोड़ी सी लापरवाही से शरीर में अनके प्रकार की बीमारियां होने का खतरा बढ़ जाता है। इस दौरान उन्होंने महिलाओं को संतुलित एवं पोषणयुक्त आहार अपनाने की शपथ भी दिलाई गई, ताकि वे स्वयं स्वस्थ रहकर अपने परिवार को भी स्वस्थ रख सकें। इसके साथ ही, उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा गाँव में एक प्ले स्कूल खोला गया है, जिसमें अधिक से अधिक बच्चों को भेजने के लिए प्रेरित किया गया। हरियाणा सरकार बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विशेष प्रयास कर रही है, ताकि खेल-खेल में उनका मानसिक और शारीरिक विकास हो सके। इस दौरान उन्होंने महिलाओं को आपकी बेटी, हमारी बेटी, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना और अन्य सरकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई।

फतेहाबाद। गांव अकांवाली कुपोषण मुक्त अभियान के दौरान महिलाओं को शपथ दिलाते सुपरवाइजर।

एक गोली खाइए फिट हो जाइए

अपने शरीर को हेल्दी-फिट रखने के लिए अच्छी डाइट के साथ रेग्युलर एक्सरसाइज को जरूरी माना जाता है। लेकिन वैज्ञानिकों ने हाल में एक ऐसी गोली बनाने में सफलता हासिल की है, जिसे खाने से 10 किमी. दौड़ने के बराबर का एक्सरसाइज बेनिफिट मिल जाएगा। कैसी है ये कमाल की गोली, कैसे करेगी काम और किसके लिए होगी फायदेमंद, आप जरूर जानना चाहेंगे।

कवर स्टोरी

डॉ. माजिद अलीम

अच्छी सेहत के लिए डॉक्टर से लेकर फिटनेस एक्सपर्ट और अनुभवी लोग भी एक ही सुझाव देते हैं-डेली एक्सरसाइज कीजिए। लेकिन अगर कोई इतना अशक्त हो कि वो हाथ-पैर हिला ही नहीं पाए तो वो क्या करे? विज्ञान ने ऐसे व्यक्ति के लिए भी अब रास्ता निकाल लिया है कि वह एक इंच हिले बिना भी अच्छे वर्कआउट का स्वास्थ्य लाभ अर्जित कर सकता है।

बना ली गई करामाती गोली

डेनमार्क देश की आरहुस यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक पिल (गोली) विकसित की है, जो शरीर में 10 किमी. दौड़ के मेटाबॉलिक (पाचन) प्रभाव जितना असर पैदा कर सकती है, वह भी बिना पसीना बहाए। 'पफ एग्रीकल्चर एंड फूड केमिस्ट्री' नामक जर्नल में इस शोध उपलब्धि को प्रकाशित किया गया है। इसके मुख्य शोधकर्ता और केमिस्ट डॉ. थॉमस पौल्सेन ने बताया, 'हमने एक मॉलिक्यूल विकसित किया है, जो शरीर में कड़ी एक्सरसाइज और फास्टिंग (व्रत) की मेटाबॉलिक प्रतिक्रिया की नकल उत्पन्न कर सकती है। यह मॉलिक्यूल शरीर को उस मेटाबॉलिक अवस्था में ले आता है, जो कि खाली पेट तेज रफ्तार 10 किमी. की दौड़ के समान होता है।' इस मॉलिक्यूल को नाम दिया गया है-लाके। फिलहाल, इसे लैब में चूहों पर टेस्ट किया जा रहा है, जिनमें टॉक्सिसिटी के कोई चिन्ह दिखाई नहीं दिए हैं। ध्यान देने वाला तथ्य यह है कि लाके ने टॉक्सिंस शरीर से फ्लश आउट कर दिए और इससे उनका हार्ट मजबूत भी हो गया।

बनती रही हैं ऐसी दवाएं

'एक्सरसाइज पिल' का विचार एक दशक से अधिक समय पूर्व से चर्चा में रहा है। अनेक शोधकर्ता उन कंपाउंड्स से प्रयोग कर रहे हैं, जो तीव्र फिजिकल एक्टिविटी के बायोलॉजिकल प्रभावों का मुकाबला कर सकें। लाके एकमात्र पिल नहीं है, जो वर्कआउट के लाभ प्रदान करती है। पिछले साल फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एसएलयूपीपी-332 नामक कंपाउंड विकसित किया था, जिसने चूहों में मेटाबॉलिज्म और सहनशीलता में इतनी वृद्धि की कि वह पहले की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक दौड़ने लगे। इस अध्ययन के प्रमुख लेखक और फार्मेसी के प्रोफेसर थॉमस बर्रिस के अनुसार, 'यह कंपाउंड बुनियादी तौर पर स्केलटेल मांसपेशियों को बताता है कि वह वही परिवर्तन लाएं, जो स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के दौरान देखने को मिलता है।'

'द गार्जियन' के अनुसार सैन डिएगो के सालक इंस्टिट्यूट ने 2008 में जीडब्लू 501516 (संक्षेप में 516) ड्रग विकसित की। यह मुख्य जींस को संकेत भेजती है कि शुगर की जगह फैट को बर्न करे। लेकिन इस ड्रग का एक वैरिएंट धावकों के लिए डोपिंग ड्रग बनकर रह गया। फिर 2015 में कंपाउंड 14 नामक एक अन्य ड्रग विकसित की गई, जिससे यह बात प्रकाश में आई कि यह मोटे चूहों का ग्लूकोज टॉलरेंस बेहतर करके वजन कम कर सकती है। यह सभी प्रयोग चिकित्सा विज्ञान ड्रग्स के उस वर्ग से संबंधित हैं, जिसे 'एक्सरसाइज मिमेटिक्स' कहते हैं, जो आवश्यक रूप से शरीर में उन अलग-अलग मार्गों को सक्रिय करते हैं, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एक्सरसाइज से प्रभावित होते हैं। इन ड्रग्स में क्षमता है कि अल्झाइमर, पार्किंसन और डिमेंशिया को होने से देर तक रोके रखें और मधुमेह, मोटापे की रोकथाम में भी मदद करें।

अक्षम लोगों के लिए होगी वरदान

एक बार जब इस दवा के इंसानों पर ट्रायल पूरे हो जाएंगे तो इनमें से कुछ ड्रग्स को वजन कम करने वाली ड्रग्स के साथ भी दिया जा सकेगा जैसे ओर्जेपिक, जो विशेष रूप से बुजुर्गों को सरकोपेनिया की स्थिति में दी जाती है ताकि मांसपेशियों की क्षति को रोका जा सके। अगर इंसानों को एक गोली से एक्सरसाइज के फायदे मिलने लगेंगे, इससे उनकी फिटनेस परफेक्ट हो जाएगी तो यह उन लोगों के लिए चमत्कार होगी, जो फिजिकल एक्टिविटी में हिस्सा नहीं ले पाते हैं, जैसे-बुजुर्ग, शारीरिक रूप से कमजोर, दिव्यांग, जिन्हें मस्कुलर डिस्ट्रॉफी है, जिनकी कोई ऐसी सर्जरी हुई है कि मूवमेंट न कर पा रहे हों या अन्य लोग, जो गंभीर रूप से बीमार हैं।

एक्सरसाइज करना है बेस्ट

बीमार या अक्षम लोगों की बात छोड़ दें तो अन्य स्वस्थ लोगों के लिए यही बेहतर होगा कि वे सुबह देर तक यह सोचकर न सोते रहें कि पलंग पर पड़े हुए गोली खाकर फिट हो जाएंगे। उनके लिए यही उचित होगा कि मैदान में निकलें, वॉकिंग करें, रनिंग करें या मनपसंद एक्सरसाइज करें। इस बात को समझ लेना चाहिए कि फिजिकल एक्सरसाइज का कोई विकल्प नहीं है, उससे न केवल शरीर स्वस्थ बनता है, मन भी प्रसन्न और ऊर्जावान रहता है। *

एक्सरसाइज का शरीर पर रिएक्शन

इस दवा के एक्शन को समझने से पहले यह जानना जरूरी है कि एक्सरसाइज की शरीर पर क्या प्रतिक्रिया होती है और लाके उसकी कैसे नकल करता है? खाली पेट कड़ा वर्कआउट, ब्लड प्लाज्मा के स्तर पर लेक्टेट रसायन में तेजी से वृद्धि कर देता है, इसके बाद बीटा-हाइड्रोक्सीबूटीरेट (बीएचबी) नामक एक अन्य रसायन कीटोन में धीरे-धीरे वृद्धि करता है। कीटोन जिगर में उस समय बनते हैं, जब पर्याप्त ग्लूकोज की अनुपस्थिति में शरीर जिगर में ऊर्जा के लिए फैट को तोड़ता है। ये दोनों रसायन भूख को कम करते हैं। साथ ही हृदय रोगों, टाइप 2 डायबिटीज के खतरों को भी कम करते हैं। इसके अलावा दिमागी फंक्शन को बेहतर करते हुए डिप्रेशन को कम करते हैं। ये सब फायदे केवल डाइट से हासिल नहीं हो सकतीं, क्योंकि जिस मात्रा में लेक्टेट और बीएचबी की जरूरत होती है, उससे अनावश्यक बायप्रोडक्ट्स जैसे नमक और एसिड मिल जाते हैं। कृत्रिम रूप से तैयार लाके से ये रसायन, ओरली मिल जाते हैं, बिना हानिकारक साइड इफेक्ट्स के।

जरूरी नहीं है कि जो व्यक्ति खूब हंसता-मुस्कुराता नजर आए, वो वास्तव में मन से खुश है। उदासी को मुस्कान से ढंकने वाले लोग स्माइलिंग डिप्रेशन के शिकार हो सकते हैं। ऐसे लोगों को घर-परिवार से लेकर वर्कप्लेस तक, सपोर्ट की जरूरत होती है।

मुस्कान से ढंकी उदासी स्माइलिंग डिप्रेशन

लाइफस्टाइल

मोनिका शर्मा

दुःख भी हंसी की ओट ले सकता है। टूटते-बिखरते दिल को थामकर भी सधी सी बातें की जा सकती हैं। उलझनों में घिरकर भी सुखद एहसास लोगों के सामने रखे जा सकते हैं। दरअसल, इंसान का व्यवहार हालात के मुताबिक कई रंग ओढ़ लेता है। कभी इसका कारण अपनों की बेरुखी होती है तो कभी समाज से मिला बेगानापन। ऐसे में कुछ लोग अपने आप तक सिमटने की राह चुन लेते हैं। चुप्पी के तले एक शोर गूंजता है पर सुनाई किसी को नहीं देता। ठहाकों को साथ रखने के बावजूद मन में सब कुछ ठहर गया होता है। यही स्थिति स्माइलिंग डिप्रेशन कही जाती है।

अवास्तविक छवि का आवरण: मौजूदा दौर में हर मोर्चे पर अवास्तविक सी छवि बनाते लोग अवसाद को भी मुस्कुराहटों की परतों तले छिपाने लगे हैं। जीवन की हर छोटी-बड़ी गतिविधि को अपनों-परायों तक पहुंचाते आभासी परिवेश में मुस्कुराते चेहरों के पीछे छिपी मुरझाती मनःस्थिति कोई नहीं देख पाता या यूं कहें कि देखना भी नहीं चाहता। न ही इन परिस्थितियों को जी रहा इंसान स्वयं यह सच किसी को दिखाना चाहता है। विज्ञान की भाषा में स्माइलिंग डिप्रेशन कहा जाने वाला यह व्यवहार अब हर उम्र के लोगों की जीवनशैली का हिस्सा है। हंसता-खिलखिलाता अंदाज पीड़ादाई अनुभूतियों का आवरण बन गया है। अपनों-परायों के सामने ठहाके लगाते बहुत से चेहरे, अपने भीतर सुस्ती, थकान और अकेलेपन से जूझते हुए जीवन बिता रहे हैं। उनका मन-मस्तिष्क नाउम्मीदी और नकारात्मता के घेरे में है। मुरझाता मन और मुस्कुराता चेहरा, बहुत से लोगों के लिए सब कुछ होकर भी कुछ न होने के हालातों को बयान करने वाला बर्ताव है। चिंतनीय है कि अब ऐसे लोगों का आंकड़ा बढ़ रहा है। नकलीपन का आवरण असली भावों को छिपाने लगा है। यही कारण है कि हर ओर दिखती बेहतरी के बावजूद मन से बीमार होते लोगों की संख्या बढ़ी है।

बदल गया परिवेश: सवाल यह है कि मन की टूटन को छिपाने का यह परिवेश आखिर कैसे बन गया? क्यों हर व्यक्ति को यह लगने लगा कि दुःख को बताने-जताने से कहीं अच्छा हंसते-खिलखिलाते हुए लोगों का सामना करना है। किस तरह यह आवरण बड़े-बुजुर्गों की पीड़ा से लेकर बच्चों की मानसिक उलझन तक पर पर्दा डालने का माध्यम बन गया है? क्यों किसी के मन को समझने-जानने की कोशिश नहीं की जाती? जबकि यह अवसाद का ही एक रूप है। ऐसा डिप्रेशन, जिसमें इंसान अपने मन के विषाद को छिपाने के लिए हर जगह, हर हाल में हंसता रहता है। खुशहाल नजर आता है। सार्वजनिक जीवन में जिंदादिल दिखते ऐसे लोग निजी जीवन में अकेलेपन के स्याह साये से जूझते हैं। अध्ययन बताते हैं कि स्माइलिंग डिप्रेशन की समस्या से ग्रस्त व्यक्ति सुखी और संतुष्ट दिखता जरूर है, पर भीतर ही भीतर अवसाद से जूझता है। यही कारण है कि स्माइलिंग डिप्रेशन को हाई फंक्शनिंग डिसऑर्डर भी कहा जाता है। ध्यातव्य है कि हाई-फंक्शनिंग डिसऑर्डर के अंतर्गत ऐसी मानसिक समस्याएं आती हैं, जिनमें व्यक्ति सामान्य दिखने के बावजूद अंदर से बीमार रहता है। एक तरह का क्रॉनिक डिप्रेशन कहे जाने वाले इस डिसऑर्डर का शिकार इंसान आम जीवन को सामान्य ढंग से जीते हुए भावनात्मक रूप से असहजता का अनुभव करता है। खुशमिजाजी के पीछे गहरा खालीपन होता है।

सहयोग-संवेदना ओं की कमी: आज के दौर में बिना लाग-लपेट मन की बात कहने का माहौल, घर हो या बाहर कहीं नहीं दिखता। न दुःख साझा करने का भाव दिखता है और न समझने का। यही कारण है कि लोग चुपचाप अपनी पीड़ाओं से जूझने लगे हैं। हर हाल में सहज दिखते हैं। हर परिस्थिति में प्रसन्नता जाहिर करते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि व्यक्तिगत जीवन में चुना जा रहा यह असामान्य व्यवहार असल में असंवेदनशील होते सामाजिक-पारिवारिक परिवेश का मुखौटा उतारने वाला है। हम अचानक किसी के आत्महत्या जैसा कदम उठा लेने पर चकित तो होते हैं पर समय रहते तकलीफ साझा करने की पहल नहीं करते। दुखद है कि मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालने वाली इन स्थितियों को आज भी गंभीरता से नहीं लिया जाता।

मदद की है दरकार: जरूरी यह है कि वर्किंग प्लेस से लेकर घर-परिवार और आस-पड़ोस तक, स्माइलिंग डिप्रेशन से जूझते लोगों के बर्ताव को समझकर उनका साथ दिया जाए। ऐसी दबी-छुपी समस्याओं को लेकर अब सभी को यह समझना होगा कि कुछ न कहना, सब कुछ कहने जैसा है। जैसे भी संभव हो ऐसे लोगों की मदद की उचित राह तलाशना बेहद आवश्यक है। *

गजल

अवतार सिंह अक्षरजीवी

खुल के बात कर

छुपाने की जरूरत नहीं, खुल के बात कर
पर पूरी शिद्दत से किसी एक से बात कर

अगर मेरा प्यार तुझे मुतमइन नहीं करता
तुझे जिससे खुशी मिले, तू उससे बात कर

मैं मोहब्बत करुंगा पर मेरी शर्तों पर
या तो मुझसे बात कर, या सबसे बात कर

तेरी मुस्कुराहट मेरी मिलकियत है और मैं
नहीं चाहता तू दूसरों से हंस-हंसके बात कर

अपने दिल में पूरी दुनिया को जगह मत दे
गैरों से एक दूरी एक दायरा रखके बात कर

मेरी मोहब्बत के पिंजरे में तालाबंद नहीं है
या तो उड़ जा या फिर अंदर रहके बात कर

कहानी

संजीव जायसवाल 'संजय'

वह अपनी बच्ची को घुमाने के लिए पार्क में जहां भी जाता, गुब्बारे बेचने वाला एक लड़का वहां पहुंच जाता। एक दिन खीझकर उसने गुब्बारे वाले को डपट दिया। इस पर उस लड़के ने जो कहा, वह बेहद शर्मिंदा महसूस करने लगा। मन को छूती एक मार्मिक कहानी।

गुब्बारे वाला

बाबूजी, गुब्बारा ले लीजिए' अचानक वही दुबला-पतला लड़का एक बार फिर सामने आकर खड़ा हो गया।

'मुझे नहीं लेना, चलो भागो यहां से।' मैंने झल्लाते हुए उसे डपट दिया।

'ले लीजए न बाबूजी, देखिए कितने अच्छे गुब्बारे हैं! लाल, हरे, नीले, पीले हर रंग के प्यारे-प्यारे गुब्बारे। बिटिया को बहुत पसंद आएंगे।' उसने जोर देते हुए कहा।

मैं उसे दोबारा डपटने जा ही रहा था कि रचना तुतलाते हुए बोली, 'पापा, जे पीला वाला गुब्बारा बौत अच्छा है.. इछे दिला दीजिए।'

मैं रचना की कोई बात नहीं टालता था। अतः न चाहते हुए भी उसे गुब्बारा दिलवाना पड़ा। वो लड़का एक रुपया लेकर खुशी-खुशी वहां से चला गया।

पिछले महीने पत्नी (दीप्ति) की मौत के बाद रचना की पूरी जिम्मेदारी मेरे ऊपर आ गई थी। मैं रोज शाम उसे गोद में लेकर पार्क में आ जाता था। पार्क की इस बेंच पर बैठ कर मुझे बहुत शांति मिलती थी क्योंकि दीप्ति की यह पसंदीदा जगह हुआ करती थी। यहां आकर मुझे ऐसा लगता, जैसे वो मेरे साथ बैठी हो। मैं घंटों उसकी याद में खोया रहता।

पिछले कुछ दिनों से इस गुब्बारे वाले के कारण मुझे बहुत कोफ्त होने लगी थी। मैं इस बेंच पर आकर बैठता ही था कि यमदूत की तरह वह आ धमकता। बिना गुब्बारे बेचे टलता ही न था। उसे देखकर ही मुझे उलझन होने लगती थी।

एक दिन तंग आकर मैंने तय कर लिया कि कल से इस बेंच पर बैठूंगा ही नहीं। पार्क में बैठने के लिए मैंने पेड़ों के झुरमुट के पीछे एक दूसरी जगह तलाश ली थी। वहां लोगों की दृष्टि कम ही पड़ती थी, इसलिए वहां काफी शांति थी।

अगले दिन मैं रचना के साथ वहां जाकर बैठ गया। धीरे-धीरे आधा घंटा बीत गया। मैं मन ही मन खुश था कि आज गुब्बारे वाले लड़के ने मेरी शांति भंग नहीं की। तभी वह लड़का भूत जैसा वहां आ टपका, 'अरे, बाबूजी, आप यहां बैठे हैं। मैं समझा कि आज आप आएंगे ही नहीं।' फिर अपने गुब्बारों का झुंड रचना की तरफ बढ़ाते हुए बोला, 'बिटिया रानी, कौन-सा गुब्बारा दूं?'

'अबे, बिटिया रानी के भइया.., तू मुझे चैन से बैठने क्यों नहीं देता? जहां जाता हूं वहां आ धमकता है। क्या तेरे पास और कोई जगह नहीं है?' मैंने उसे बुरी तरह फटकार दिया।

डांट खाकर उस लड़के की आंखें छलछला आईं। वह उन्हें पोंछते हुए बोला, 'बाबूजी, माफ करिएगा, आपको दुख पहुंचाने का मेरा कोई इरादा नहीं था। कुछ दिनों पहले एक दुर्घटना में मेरे माता-पिता की मृत्यु हो गई थी। मेरे पास स्कूल की फीस भरने के लिए पैसे नहीं हैं। इसीलिए रोज शाम पार्क में गुब्बारे बेचने चला आता हूं। जिनकी गोद में बच्चे होते हैं, वे आसानी से गुब्बारे खरीद लेते हैं। इसीलिए आपके पास आ जाता था।'

इतना कहकर वह लड़का वहां से जाने लगा। मुझे अपने व्यवहार पर बहुत आत्मग्लानि हुई। मेरे दुख से उसका दुख ज्यादा बड़ा था। मैंने उसे आवाज देकर बुलाया और 100 रुपए का नोट उसकी तरफ बढ़ाते हुए कहा, 'इसे रख लो।'

'यह किसलिए?' उस लड़के का स्वर कांप उठा।

'तुम्हारी फीस के काम आएंगे' मैंने उसे समझाने का प्रयास किया।

यह सुनकर उस लड़के की आंखें एक बार फिर छलछला आईं। वह भर्राए स्वर में बोला, 'बाबूजी, मैं बेसहारा जरूर हूं, मगर भिखारी नहीं।'

'मेरा यह मतलब नहीं था, मैं तो सिर्फ तुम्हारी मदद करना चाहता था।' मैंने बात संभालने की कोशिश की।

उस लड़के ने पल भर के लिए मेरी ओर देखा फिर बोला, 'अगर आप मदद करना चाहते हैं तो सिर्फ इतना वादा कीजिए कि फिर कभी किसी गरीब को दुत्कारेंगे नहीं।'

इतना कह कर वह तेजी से वहां से चला गया। मैं चुपचाप बैठा रहा। मेरे अंदर इतना साहस नहीं बचा था कि उसे रोक सकूं। उसके आगे मैं अपने को बहुत छोटा महसूस कर रहा था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कारुणिक उजाला फैलाती दियासलाई

इस दुनिया में कई लोग अपने जीवनकाल में ही किंवदंती जैसे बन जाते हैं। वर्ष 2014 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी, ऐसी ही शख्सियत हैं। मध्य प्रदेश के छोटे से शहर विदिशा में जन्म लेने वाले कैलाश शुरू से ही देश, समाज और दुनिया में प्रताड़ना, हिंसा और शोषण के शिकार बच्चों के लिए कुछ करना चाहते थे। इसी मनो-संकल्प का यह परिणाम हुआ कि इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद भी उन्होंने अपना जीवन बच्चों की सुरक्षा और उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। अपनी पांच दशक से अधिक की इस यात्रा में उन्हें किन-किन पड़ावों से गुजरना पड़ा, व्यक्तिगत-पारिवारिक जीवन में कैसे संघर्ष करने पड़े, किस-किस तरह के आरोप-आक्षेप सहने पड़े, कितनी बार अपने प्राणों को भी संकट में डालना पड़ा, इन तमाम अनुभूतियों और भोगे हुए यथार्थ को उन्होंने अपनी आत्मकथा में संजोया है। हाल में ही उनकी आत्मकथा 'दियासलाई' पुस्तक के रूप में प्रकाशित होकर आई है। इस किताब में ऐसे अनेक प्रसंग मौजूद हैं, जिससे साबित होता है कि कोई साधारण व्यक्ति, केवल अपने विचार, कर्म और महान जीवन उद्देश्य से ही असाधारण बन सकता है।

पुस्तक: दियासलाई (आत्मकथा), **लेखक:** कैलाश सत्यार्थी, **मूल्य:** 599 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

दियासलाई जैसी छोटी सी चीज में भी कितनी संभावना व्याप्त हो सकती है, कैसे वो समाज में करुणा का उजाला प्रसारित कर सकती है, इस आत्मकथा का शीर्षक इसे साबित करता है। अच्छी बात यह है कि इस आत्मकथा में लेखक ने अपनी कमजोरियों को भी सहजता से स्वीकार किया है। कहीं भी खुद को महान या दोषरहित सिद्ध करने की कोशिश नहीं की है। *

रचनाएं आमंत्रित...

हिंदी दैनिक **हरिभूमि** के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।

मस्ती के साथ कराए दिमागी वर्जिश भूल-भुलैया

आजकल वीडियो गेम्स और मोबाइल गेम्स में तमाम ऐसे खेल खूब चाव से खेले जाते हैं, जिनका बेस भूल-भुलैया होता है। सदियों से देश-दुनिया में अनेक ऐसे भूल-भुलैया बनाए जाते रहे हैं, जो रोमांचक अनुभव दिलाने के साथ ही दिमागी वर्जिश भी खूब कराते हैं। यहां बता रहे हैं, दुनिया में प्रसिद्ध भूल-भुलैया कहां हैं, उनकी क्या विशेषता है, इनकी शुरुआत कैसे हुई और इनके प्रकार से जुड़ी रोचक बातें।

एंज्वॉयमेंट / शिखर चंद जैन

आपने लखनऊ के इमामबाड़ा में, किसी फन पार्क या म्यूजियम में या किसी टूरिस्ट प्लेस पर भूल-भुलैया को जरूर एंज्वॉय किया होगा। पत्र-पत्रिकाओं में पजल सॉल्व करने के लिए भी इसका खूब प्रयोग किया होगा। इनकी विशेषताएं और उपयोगिताएं बहुत अनोखी होती हैं।

पौराणिक काल में मिले हैं प्रमाण

13वीं सदी की ग्रीक पौराणिक कथाओं में भी भूल-भुलैया जैसी संरचना और गतिविधियों के प्रमाण मिलते हैं। शुरू-शुरू में इन्हें भ्रमित करने या खेलने के लिए नहीं बल्कि आगंतुकों को आध्यात्मिक यात्रा पर भेजने के लिए बनाया गया था। इसका उद्देश्य उनके मन को शांत करना और आत्मनिरीक्षण करने के लिए था। इसमें एक ही घुमावदार रास्ते का अनुसरण किया जाता था।

बहुत पुराना है कॉन्सेप्ट

सबसे पहले भूल-भुलैया का दर्ज इतिहास, मिस्र में 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व का मिलता है। प्राचीन यूनानी इतिहासकार हेरोडोटस ने मिस्र की भूल-भुलैया का दौरा करने का दावा किया और इसे एक घुमावदार इमारत के रूप में वर्णित किया। ये हजारों कमरों से बनी थीं, जिनमें से कई भूमिगत थे और जिनमें मिस्र के राजाओं की कब्रें भी थीं। उन्होंने लिखा कि यूनानियों के सभी काम और इमारतें एक साथ मिलकर भी श्रम और खर्च के मामले में निश्चित रूप से इस भूल-भुलैया से कमतर होंगी। मध्यकाल तक दुनिया के 25 कैथेड्रल चर्च में भी ऐसी संरचनाएं हुआ करती थीं। यूरोप और अमेरिका के प्राचीनतम चित्रों और पेंटिंग्स में भी इनके होने के प्रमाण मिले हैं।

ध्यान के लिए भूल-भुलैया

मनोरंजक गेम के रूप में इस्तेमाल करने के साथ-साथ स्ट्रेस और एंग्जायटी दूर करने के लिए भी इसका उपयोग किया जाता है। दुनिया में कई जगह भूल-भुलैया का उपयोग वॉकिंग मेडिटेशन के लिए किया जाता है। भूल-भुलैया का उपयोग दुनिया भर में मन को शांत करने, मन को एकाग्र करने, चिंताओं से मुक्ति पाने, जीवन में संतुलन बनाए रखने, रचनात्मकता को बढ़ाने और ध्यान, सेल्फ रिफ्लेक्शन और तनाव को कम करने के लिए किया जाता है।

दो प्रकार के भूल-भुलैया

भूल-भुलैया के दो प्रकार माने जाते हैं। एक है लिबरिंथ और दूसरा हेज। लिबरिंथ अपेक्षाकृत आसान होती है। पर इसकी क्लासिकल डिजाइन इसे विशेष बनाती है, जबकि हेज पारंपरिक भूल-भुलैया है। यह जटिल होने के साथ-साथ इसमें लोगों के खो जाने की भी आशंका होती है। लिबरिंथ भूल-भुलैया एकतरफा होती हैं, जबकि हेज भूल-भुलैया शाखाओं में बंटी होती है। इसीलिए यह कठिन होती है।

दुनिया भर में हैं भूल-भुलैया

भूल-भुलैया का प्रचलन दुनिया भर में है। 90 से ज्यादा देशों में 6400 लिबरिंथ हैं। ब्रिटेन, अमेरिका जैसे देशों में इन से जुड़ी साप्ताहिक गतिविधियां होती हैं। यहां स्थानीय पार्क के अलावा अस्पतालों में भी लिबरिंथ बनाई गई हैं। 16वीं शताब्दी से शुरू होकर, यूरोपीय राजघरानों ने अपनी संपत्ति पर विस्तृत हेज भूल-भुलैया बनाना शुरू कर दिया। भूल-भुलैया का उद्देश्य मनोरंजन करना था, साथ ही गुप्त बैठकों के लिए निजी, दूर-दराज के स्थान प्रदान करना था।

सबसे बड़ा-कठिन भूल-भुलैया

1980 के दशक में, चित्रकार क्रिस्टोफर मैनसन ने घोषणा की थी कि उनकी भूल-भुलैया पुस्तक में पहेली को सुलझाने वाले पहले व्यक्ति को 10,000 डॉलर का पुरस्कार दिया जाएगा। 45 पन्नों की इस सचित्र पुस्तक का शीर्षक है 'भूल-भुलैया: दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण पहेली को सुलझाएं।' इसमें पाठकों से एक काल्पनिक घर के केंद्र तक पहुंचने का रास्ता खोजने और रास्ते में पहेलियां सुलझाने को कहा गया था। हालांकि यह काम अपेक्षाकृत सरल लग रहा था, लेकिन पहेलियां बेहद कठिन थीं। पहले विजेता को इसका हल ढूंढ़ने में लगभग दो साल लग गए थे। कुछ वर्ष पहले तक सबसे बड़ा अस्थायी मकई भूल-भुलैया 60 एकड़ में फैला हुआ था। 2014 में, कैलिफोर्निया के डिक्सन स्थित कूल पैच पंपकिंस के आगंतुकों को विशाल, घुमावदार अस्थाई भूल-भुलैया का आनंद लेने का अवसर मिला, जिसके बारे में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने पुष्टि की कि यह अब तक की सबसे बड़ी भूल-भुलैया थी। यह इतना बड़ा था कि कई पर्यटकों ने इसमें खो जाने के बाद अपनी सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबरों पर कॉल भी किया।

ये भी हैं दिलचस्प भूल-भुलैया

दुनिया की सबसे बड़ी हेज भूल-भुलैया में लगभग 2.5 मील लंबे रास्ते हैं। डोल प्लांटेशन का विशाल अनानास गार्डन भूल-भुलैया 14,000 उष्णकटिबंधीय पौधों से बनाया गया है। इसे 2008 में दुनिया में सबसे लंबा घोषित किया गया था। 2012 में, कलाकारों ने 250,000 किताबों से एक भूल-भुलैया बनाई। लंदन में पॉप-अप इंस्टॉलेशन 'अमेजमी' नाम से सैकड़ों स्वयंसेवकों द्वारा चार दिनों में बनाया गया था। इसे देखने वालों ने क्लासिक साहित्य का आनंद लिया। ब्राजील के कलाकार मार्कोस सबोया और गुआल्टर पुपो ने इस संरचना को स्पेनिश भाषा के लेखक जेएल बोर्गेस के फिंगरप्रिंट के आकार की नकल करने के लिए डिजाइन किया था। *

वीडियो गेम्स में भूल-भुलैया

कई शुरुआती वीडियो गेम्स में भी भूल-भुलैया बनाई जाती थी। 1970 के दशक में, पेन-एंड-पेपर भूल-भुलैया वाली किताबें चलन में आ गई थीं। बच्चे और वयस्क समान रूप से अलग-अलग भूल-भुलैया चित्रों के माध्यम से एक रेखा खींचते थे, जितना संभव हो, उतना कम गलत मोड़ लेने की कोशिश करते थे। लगभग उसी समय, शुरुआती वीडियो गेम कंपनियों ने सरल 2D भूल-भुलैया गेम बनाना शुरू कर दिया, जो पेन-एंड-पेपर गेम के समान ही थे, जिसमें भूल-भुलैया या भूल-भुलैया पहेलियों के माध्यम से दौड़ शामिल थी।

अपने कुदरती सौंदर्य के लिए देश के मशहूर हिल स्टेशंस में सिक्किम का अलग ही महत्व है। बीती फरवरी में लेखक ने अपनी सिक्किम यात्रा के दौरान कई बेमिसाल नजारों का दीदार किया। उन अनुभवों को यहां साझा कर रहे हैं अपनी जुबानी।

लाजवाब-मनमोहक सिक्किम के नजारे

यात्रा-अनुभव / समीर चौधरी

मेरा मानना है कि सैर करने वाले मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं। एक, जो बिना किसी योजना के यात्रा करते हैं। वह बिना किसी एजेंडा के ट्रिप पर निकल जाते हैं और प्रतीक्षा करते हैं कि नई लोकेशन और नजारे उनके सामने अपने आप खुलते चले जाएंगे। दूसरे प्रकार के पर्यटकों में इस किस्म का समभाव नहीं होता है। वे अपनी छुट्टियां मनाने के लिए निश्चित कार्यक्रम बनाते हैं और उसी के अनुसार चलने का प्रयास करते हैं। मैं खुद को दूसरी श्रेणी में रखता हूं। लेकिन मेरी यह धारणा हाल में की गई सिक्किम यात्रा के बाद बदल गई।

सिक्किम टूर की प्लानिंग: हालांकि बचपन में मैं कई बार मसूरी जैसे हिल स्टेशन की यात्रा कर चुका हूं। लेकिन उससे आगे का हिमालय क्षेत्र मेरे लिए रहस्य ही रहा है। इस कमी को पूरा करने के लिए मैं हाल ही में एक सप्ताह के लिए सिक्किम की यात्रा पर गया। मैंने अपना कार्यक्रम बनाने में अधिक समय बर्बाद नहीं किया और जल्दी से इस पहाड़ी राज्य की टॉप साइट्स चुन लिया, जहां मुझे जाना था जैसे- नाथूला पास, गुरुडोंगमार झील और युमथांग घाटी।

बर्फीले सौंदर्य को देखने का सपना: फरवरी में गंगटोक (सिक्किम की राजधानी) में कड़ाके की ठंड पड़ती है। मैं सुबह के समय इस शहर में पहुंचा था। उद्देश्य सिर्फ इसे देखना ही नहीं था बल्कि मैं उम्मीद कर रहा था कि मैं बर्फीली चोटियों के बीच होऊंगा। मैंने इस समय यहां जाने का इसलिए निर्णय लिया था ताकि सिक्किम को उसके जाड़े के पूर्ण वैभव में देख सकूं, यह जानते हुए भी कि कुछ चुनौतियों का अवश्य सामना करना पड़ेगा।

नहीं देख सका कंचनजंगा: जब मैं पहुंचा तो ठंडे गंगटोक ने मेरा स्वागत किया। बादल भरे आसमान में सूरज तो बस दिल को तसल्ली भर दे रहा था। देर शाम तक मेरे मुंह से कार्बन डाइऑक्साइड गहरे जमे धुएं की तरह ऐसे निकल रही थी, जैसे मैं चेन स्मोकिंग कर रहा हूं। सिक्किम की राजधानी में मैंने बाजारों और मठों को देखा, दिन में थोड़ी-थोड़ी देर के लिए रोशनी की किरण दिख जाती थी। मेरे लिए आकर्षण के स्पॉट्स वह थे, जहां से मैं दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची चोटी (8,586 मीटर) कंचनजंगा को बिना किसी बाधा के देख सकूं। जब मैं एक ऐसे ही स्पॉट पर पहुंचा तो मेरे गाइड (जो चालक की भूमिका में भी था) ने धुंध की एक मोटी परत की ओर इशारा करते हुए कहा कि जब आसमान साफ होता है तो दूर से ही कंचनजंगा को धूप में नहाते हुए देखा जा सकता है। मैंने धुंध भरे क्षितिज को कई बार अपनी आंखों से भेदने का प्रयास किया, लेकिन अफसोस कि मैं नाकाम रहा, कंचनजंगा नहीं दिखा।

दिखे दिलकश नजारे: अगली सुबह मुझे नाथू ला जाना था। गाइड ने बताया कि भारी बर्फबारी की वजह से सड़क बंद हो गई है। नाथू ला जाने के लिए पर्यटक परमिट लेना पड़ता है। वह अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। मेरी हॉलिडे योजना पर ठंडी बर्फ गिर गई। इससे अगले दिन मुझे बताया गया कि गुरुडोंगमार झील भी नहीं जाया जा सकता। सड़कों पर से बर्फ हटाने में कई दिन लगेंगे। मुझे मेरे मनचाहे नजारों के बजाय केवल सिक्किम के जाड़ों का अहसास मिल रहा था। गाइड के सुझाव पर मैंने उत्तरी सिक्किम में छोटे से टाउन लाचुंग जाने का प्लान बनाया। मेरे गाइड ने कहा, 'जब आप इतनी दूर आ ही गए हैं तो मैं आपको बर्फ दिखाए बिना नहीं जाने दे सकता।' हम एक पतली, नागिन की तरह लहराती पगडंडी पर पहाड़ की तरफ जाने लगे। जल्द ही ढलान पर कोनिफर (शंकुधर वृक्ष) दिखाई देने लगे। जैसे-जैसे हम ऊपर चढ़ते गए पेड़ फ्रॉस्ट से मोटे होते चले गए। सड़क के दोनों किनारों पर और पहाड़ों पर कारपेट की तरह बर्फ जम गई थी। पूजा ध्वज फड़फड़ा रहे थे, शांत पुल के नीचे नदी बह रही थी।

अगली दोपहर मेरे होटल की खिड़की के बाहर की दुनिया अचानक धुंधली हो गई। हजारों रूई की गेंदें आसमान में तैर रही थीं। मुझे अपनी किस्मत पर विश्वास नहीं हो रहा था। मैं होटल के कमरे से बाहर निकल आया। एक सप्ताह की निराशा के बाद मैं स्नोफॉल देख रहा था। हर जगह बर्फ की मोटी परत जम चुकी थी। जब हम गंगटोक लौट रहे थे तो बर्फ के टुकड़े हमारी कार पर गिर रहे थे। गंगटोक से घर लौटने पर मैं सोचने लगा कि जो कार्यक्रम बनाया था, वह तो फेल हो गया, लेकिन जो अनिश्चित-अनपेक्षित देखने को मिला, वह सुंदर और यादगार था। *

जिस तरह एक समय तक अच्छी जॉब-करियर के लिए पढ़ा-लिखा होना जरूरी होता था, आज के दौर में डिजिटल लिटरेसी का करियर ग्रोथ में बहुत ज्यादा महत्व हो गया है। इसकी इंपॉर्टेंस के बारे में जानिए।

करियर ग्रोथ के लिए जरूरी डिजिटल लिटरेसी

सेल्फ इंप्रूवमेंट / कीर्तिशेखर

आज के दौर में अगर आप डिजिटली लिटरेट नहीं हैं, तो चाहे आपके पास जितनी डिग्रियां हों, चाहे जितने बुद्धिमान हों, करियर में ग्रो करना आपके लिए संभव नहीं होगा। आजकल तो करियर के मामले में लिटरेसी का मतलब ही हो गया है डिजिटल लिटरेसी।

क्या है डिजिटल लिटरेसी: डिजिटल लिटरेसी का मतलब, हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में सहायक विभिन्न तकनीकों के इस्तेमाल में दक्ष होना है। तकनीकी डिवाइसेस को समझना और इन प्लेटफॉर्म्स में काम करना आना भी सही मायने में डिजिटल लिटरेसी का मतलब है।

कई करियर ऑप्शंस तक पहुंच: अगर आप डिजिटल स्किल्स में माहिर हैं, तो आपके सामने विभिन्न तरह के करियर ऑप्शंस हर समय मौजूद रहेंगे। आप ज्यादा से ज्यादा विकल्पों तक आसानी से पहुंच सकते हैं। मसलन, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिटिक्स प्रोग्रामिंग, ग्राफिक डिजाइन या कंटेंट क्रिएशन जैसे क्षेत्रों में आपके लिए भरपूर अवसर उपलब्ध रहेंगे। यही नहीं अगर आप वर्क फ्रॉम होम और गिग इकोनॉमिक्स से जुड़े हैं तो भी आपके लिए डिजिटल स्किल्स का होना बहुत जरूरी है।

बढ़ती है प्रोडक्टिविटी: अगर आप डिजिटली लिटरेट हैं तो विभिन्न तरह के डिजिटल टूल्स जैसे एक्सेल, सीआरएम सॉफ्टवेयर और गूगल वर्क स्पेस का इस्तेमाल करके अपने काम में तेजी और क्वालिटी ला सकते हैं। समय बचाने वाले उपकरण और सॉफ्टवेयर का सही उपयोग आपको कॉम्पिटिशन में आगे रखेगा और अगर आप डिजिटली एफिशिएंट नहीं हैं तो चाहे जितने पढ़े-लिखे हों और चाहे जितने इंटेलीजेंट हों, आपकी प्रोडक्टीविटी और एफिशिएंसी दोनों ही पीछे रह जाएंगी। टाइम सेविंग उपकरण और सॉफ्टवेयर का सही उपयोग आपको प्रतिस्पर्धा में आगे रखता है।

जॉब सर्च-नेटवर्किंग में सुविधा: अगर आप डिजिटल लिटरेट हैं तो लिंक्ड इन, ग्लास डोर और दूसरे जॉब प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करके अपने लिए बेहतर से बेहतर जॉब्स खोज सकते हैं। डिजिटल नेटवर्किंग के जरिए आप अपने क्षेत्र विशेष के लोगों से जुड़कर अपने लिए नए-नए अवसर पैदा कर सकते हैं। साथ ही नवीनतम ट्रेंड्स और टेक्नोलॉजी से परिचित होने के कारण न सिर्फ आपका परफॉर्मेंस अपग्रेड रहता है बल्कि लोगों के बीच इज्जत भी ज्यादा मिलती है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, ब्लॉक चेन और अन्य एडवांस टेक्नोलॉजी में काम करने के लिए यह बेसिक स्किल बहुत जरूरी है।

सेल्फ एंप्लॉयमेंट में हेल्पफुल: अगर आप अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए वेबसाइट का उपयोग करना चाहते हैं, सोशल मीडिया मार्केटिंग का हिस्सा बनना चाहते हैं और ऑनलाइन पेमेंट पाने के लिए, पेमेंट गेटवे बनवाना चाहते हैं, तो आपको डिजिटली लिटरेट होना बहुत जरूरी है। आजकल ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अपने प्रोडक्ट्स बेचना भी तभी संभव है, जब आप डिजिटली एक्सपर्ट होंगे।

अगर पीछे रह गए तो: अगर इतनी जरूरत साबित होने के बाद भी आप डिजिटल इलिटरेट रह जाते हैं तो इसका आपको अपने करियर में कई तरह से नुकसान उठाने पड़ सकते हैं। मसलन, डिजिटल स्किल्स न होने पर आपको जॉब से बाहर कर दिया जा सकता है। विशेषकर मार्केटिंग फाइनेंस के फील्ड में। डिजिटल उपकरणों का इस्तेमाल न करने पर अपने सहकर्मियों से परफॉर्मेंस में बहुत ज्यादा पिछड़ सकते हैं। डिजिटल लिटरेसी की कमी के कारण आपको अच्छी सैलरी वाली जॉब नहीं मिल सकती। खासकर जिन जॉब्स में आटोमेशन और टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बहुत ज्यादा बढ़ गया है, वहां तो आपका टिकना भी मुश्किल हो सकता है। डिजिटल लिटरेसी न होने पर आपके साथ कई तरह के ऑनलाइन फ्रॉड कभी भी हो सकते हैं। *

ऐसे सुधारें डिजिटल लिटरेसी

कई तरह के उपलब्ध ऑनलाइन कोर्सेस मसलन यूडेमी, स्किल्स शेयर और कोरसेरा जैसे प्लेटफॉर्म्स का फायदा उठाएं। बेसिक कंप्यूटर स्किल्स से लेकर एडवांस टूल्स तक सब कुछ सीख सकते हैं, बशर्ते कोशिश करें। माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के विभिन्न सॉफ्टवेयर जैसे वर्ड, एक्सेल, पावर प्वाइंट और गूगल वर्क स्पेस और वीडियो कांफ्रेंसिंग एप जैसे जूम, एमएस स्ट्रीम का अभ्यास करें। इसी तरह फेसबुक, इंस्टाग्राम और लिंक्ड इन जैसे प्लेटफॉर्म का उपयोग करें और एसईओ, पीपीसी और कंटेंट मार्केटिंग जैसे टूल्स सीखें। इसके अलावा साइबर सुरक्षा की समझ बढ़ाएं और रियल लाइफ में ज्यादा से ज्यादा डिजिटल लाइफ की प्रैक्टिस करें। मसलन, ऑनलाइन बिल पेमेंट करें, डिजिटल कैलेंडर का इस्तेमाल करें और ई-कॉमर्स साइट्स पर शॉपिंग करें। इन गतिविधियों से आप डिजिटली लिटरेट हो जाएंगे।

शुरुआती दौर से ही बॉलीवुड में प्रेम आधारित कितनी ही फिल्में बनीं और जबर्दस्त सफल हुईं। लेकिन बीते कुछ वर्षों में ऐसी कई फिल्में भी खूब हिट हुईं, जिनमें प्यार का एंगल न के बराबर था, तो क्या मान लिया जाए कि लव-बेस्ड फिल्मों का जादू कम होने लगा है?

कम हो रहा लव-बेस्ड फिल्मों का जादू!

सिने-ट्रेंड / हेमंत पाल

मोहब्बत की यादगार दास्तान 'मुगल-ए-आजम'

एक ट्रैजिक प्रेम कहानी 'देवदास'

प्रेम जीवन का ऐसा कोमल अहसास है, जिसे कहीं से भी मोड़कर उसे कथानक का रूप दिया जा सकता है। हिंदी फिल्मों की बात करें तो कई दशकों तक प्रेम, फिल्मों के लिए सबसे मुफीद विषय रहा। अब तक जितनी भी फिल्में बनीं, उनमें सबसे ज्यादा फिल्मों के विषय प्यार-मोहब्बत के इर्द-गिर्द ही घूमते रहे हैं।

फिल्मों में जरूरी तत्व रहा प्रेम: शुरुआती ब्लैक एंड व्हाइट के दौर से रंगीन फिल्मों तक में जो बात हर दौर में कॉमन रही, वो है-प्रेम कहानियां। फिल्मों की कहानी का आधार चाहे एक्शन हो, सामाजिक हो, कॉमेडी या फिर हॉरर, हर कहानी में कोई न कोई लव स्टोरी जरूर होती रही। देखा जाए तो अन्य विषयों पर बनी फिल्मों में भी कथानक को आगे बढ़ाने में प्रेम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

लंबी है प्रेमाधारित फिल्मों की फेहरिस्त: हिंदी सिनेमा में अमर प्रेम कथाओं की फेहरिस्त काफी लंबी है। 'मुगले आजम', 'आवारा', 'कागज के फूल', 'प्यासा', 'साहिब बीवी और गुलाम', 'पाकीजा', 'कश्मीर की कली', 'आराधना', 'बॉबी', 'सिलसिला', 'देवदास', 'मैंने प्यार किया', 'कयामत से कयामत तक', 'एक दूजे के लिए', 'दिल है कि मानता नहीं', 'लव स्टोरी', 'साजन', 'दिल', 'उमराव जान', '1942 ए लव स्टोरी', 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ-कुछ होता है', 'रंगीला', 'कल हो न हो', 'जब वी मेट', ऐसी कितनी ही फिल्मों में प्रेम को प्रमुखता से दर्शाया गया है।

दर्शकों को खूब आए पसंद 'बजरंगी भाईजान'

नए दौर की फिल्मी लव स्टोरीज: समय बदलने के साथ जैसे युवाओं की सोच बदली, उनके प्यार करने का तरीका भी बदला। इसे भी फिल्मी पर्दे पर बखूबी दर्शाया गया। नई पीढ़ी के प्रेम के रंग-ढंग को दर्शाती फिल्मों में 'रहना है तेरे दिल में', 'बचना ए हसीनों', 'सलाम नमस्ते', 'लव आजकल', 'ये जवानी है दीवानी', 'वेकअप सिड', 'अजब प्रेम की गजब कहानी', 'रॉक स्टार', 'बर्फी', 'टू स्टेट्स', 'आशिकी-टू', 'कॉकटेल', 'शुद्ध देसी रोमांस', 'तनु वेड्स मनु', 'मसान', 'तमाशा', 'ऐ दिल है मुश्किल', 'बरेली की बर्फी' जैसी अनेक फिल्मों का जिक्र किया जा सकता है।

दर्शकों को पसंद आता प्यार का अहसास: फिल्मों का कथानक कितना भी नयापन लिए हो, उसका मोहब्बत से दूर-दूर तक वास्ता न हो, फिर भी उसमें एक प्रेम कहानी जरूर पनपती है। क्योंकि प्रेम जीवन की वो शाश्वत सच्चाई है, जिसे नकारा नहीं जा सकता। भारतीय दर्शक के जीवन में मोहब्बत के अलग ही मायने हैं और इन्हीं भावनाओं को वो हर पल जीता है। उसे 'मुगले आजम' की सलीम और अनारकली का इश्क कामयाब न होना उतना ही सालता है, जितना 'सदमा' में श्रीदेवी और कमल हासन का बिछड़ना! दरअसल, सामान्य जिंदगी में भी प्रेम कथाओं की कमी नहीं होती, पर दर्शक फिल्मों के जरिए अपनी मोहब्बत के अधूरे सपनों को जीता है। फिल्म बनाने वालों ने भी दर्शकों की इस कमजोरी को अच्छी तरह समझ लिया। फिल्मों के हर कथानक में एक लव स्टोरी यदि किसी फिल्म में प्रेम-प्रसंग था भी, तो महज कहानी को आगे बढ़ाने के लिए थे। 'बजरंगी भाईजान', 'सुल्तान', 'दंगल', 'रुस्तम', 'नीरजा', 'पिंक', 'कहानी', 'एयरलिफ्ट', 'निल बटे सन्नाटा', 'उड़ता पंजाब', 'एम.एस. धोनी' से लेकर 'काबिल' और 'जॉली एलएलबी-2' तक में प्रेम का एंगल न के बराबर रहा। रहा भी तो महज कथानक को आगे बढ़ाने के लिए। सलमान खान की 'बजरंगी भाईजान' और 'सुल्तान' दोनों ही फिल्मों में नायक-नायिका के बीच प्रेम तो दिखाया गया है, लेकिन ये फिल्में कहीं से भी प्रेम-कहानी नहीं है। अक्षय कुमार की 'रुस्तम' की कहानी का आधार कोर्ट केस ही रहता है। सोनम कपूर की फिल्म 'नीरजा' तो पूरी तरह एक एयर होस्टेस के कर्तव्य की कहानी है। वास्तव में प्रेम कहानी को हाशिए पर रखकर फिल्मों में कुछ नया, कुछ अलग दिखाने का ये ट्रेंड धीरे-धीरे आया और सफल भी हुआ। तो क्या ये मान लिया जाए कि हिंदी फिल्मों में मोहब्बत के कॉन्सेप्ट को लेकर दर्शकों में क्रेज नहीं रहा! ऐसी लवस्टोरीज हाशिए पर जा रही हैं! *

एयर होस्टेस के कर्तव्य की कहानी 'नीरजा'